CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

3

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

इन्द्रमणि के पुत्र ३, उदयनाथ १, प्रेमनाथ २, ध्यानेश्वर ३।

उदयनाथ

यह साहित्य कार थे और सदाचारी तथा धर्म-कर्म में सदा संलग्न रहते थे। आप बड़े प्रतापी और सिद्ध पुरुष हो गये हैं।

उदयनाथ के पुत्र ३, निरहू १, शार्दूलधर २, संतोषमणि ३।

निरहू के पुत्र २, गिरिजापति १, शिवा (अपुत्रहे) २।

गिरिजापति के पुत्र ३, लालमणि १, लोटमणि २, कृपाराम ३।

लालमणि

यह स्थान-वनवरिया-प्रान्त-गोंडा से स्थान-अंजीतपुरवा-प्रान्त-उन्नाव गये और वहीं बस गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

लालमणि के पुत्र ३, मुन्नालाल १, गोपालसेवक २, शिवचरण ३।

मुन्नालाल के पुत्र १, पीताम्बर १।

पीताम्बर के पुत्र २, दुर्गाप्रसाद १, सुखनन्दन २।

दुर्गाप्रसाद के पुत्र १, उपंगनलाल (उपंगन्) १।

उपंगनलाल (उपंगन्) के पुत्र २, देवीचरण १, शीतलप्रसाद २।

शीतलप्रसाद के पुत्र १, केशवप्रसाद १।

सुखनन्दन -

गोपालसेवक

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - निरहू वंश वर्णन

गोपालसेवक के पुत्र ६, मदारीलाल १, सघारीलाल २, शिवदयाल ३, दीनदयाल ४, बेनीप्रसाद ५, —— गुलाब ६।

मदारीलाल के पुत्र १, वद्रीनाथ १।

वद्रीनाथ के पुत्र ४, कामताप्रसाद १, भगवानदीन २, सुखदीन ३, शिवसागर ४।

कामताप्रसाद के पुत्र १, गयाप्रसाद १।

गयाप्रसाद के पुत्र ४, सिद्धगोपाल १, शिववालक २, गोकरण ३, राधाकृष्ण ४।

सिद्धगोपाल के पुत्र २, रामकृष्ण १, बाबूलाल २।

रामकृष्ण के पुत्र १, बोधीलाल १।

शिववालक के पुत्र २, राधेश्याम १, कन्हैयालाल २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भगवानदीन के पुत्र ३, सेकठाप्रसाद १, सत्यना-
रायण २, चन्द्रशेखर ३।

सत्यनारायण के पुत्र ५, ग्रानंदमाधव १, जयमा-
धव २, हरिमाधव ३, शिवमाधव ४, गंगामाधव ५।

ग्रानंदमाधव के पुत्र १, दुर्गाशंकर १।

दुर्गाशंकर के पुत्र १, कौशलाकिशोर १।

जयमाधव के पुत्र ३, रमाशंकर १, रविशंकर २,
लक्ष्मीशंकर ३।

रमाशंकर के पुत्र १, सुभाषचन्द्र १।

हरिमाधव के पुत्र १, प्रभाशंकर १।

शिवमाधव के पुत्र १, देवीशंकर (सुधीर) १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ-निरंह वंश वर्णन

सुखदीन के पुत्र १, सूर्यप्रसाद १।

सूर्यप्रसाद के पुत्र २, नंदलाल १, बजलाल २।

शिवसागर के पुत्र १, शंभूरतन १।

सधारीलाल के पुत्र ३, शिवगुलाम १, शिवनाथ २,
द्वारिकाप्रसाद ३।

शिवगुलाम के पुत्र १, गंगाप्रसाद १।

शिवनाथ के पुत्र १, गंगादयाल १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शिवदयाल के पुत्र १, शिवशंकर १।

शिवशंकर के पुत्र १, जगदीशनारायण १।

जगदीशनारायण के पुत्र ४, चन्द्रदीपनारायण १।

प्रदीपनारायण २, वटुकनारायण ३, उमानारायण ४।

दीनदयाल के पुत्र २, गुरुशंकर १, रामशंकर २।

गुरुशंकर के पुत्र १, हृदयनारायण १।

रामशंकर के पुत्र १, शारदासहाय १।

शिवचरण के पुत्र २, नन्दू १, देवीदीन २।

नन्दू के पुत्र २, अयोध्याप्रसाद १, सीताराम २।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र २, रामनारायण १,

शिवनारायण २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सीताराम के पुत्र २, लक्ष्मीनारायण १, गणेशप्रसाद २,

गणेशप्रसाद

गणेशप्रसाद के पुत्र ३, देवकृष्ण १, हंसाविहारी २, श्यामनरेश ३।

देवीदीन के पुत्र ५, शीतलप्रसाद १, माधवलाल २, जयगोविन्द ३, शिवरावन ४, संगमलाल ५।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शीतलप्रसाद के पुत्र १, शिवरतन १।

शिवरतन के पुत्र २, लालविहारी १, नौवस्तादीन २।

नौवस्तादीन के पुत्र १, शिवदर्शन १।

शिवदर्शन के पुत्र १, नर्मदाशंकर

माखनलाल के पुत्र १, रामप्रधान १।

रामप्रधान के पुत्र १, ललई १।

ललई के पुत्र १, भगवतीदीन १।

लोटमणि

यह स्थान - वनवरिया (त्योरसी) प्रान्त - गोंडा

से स्थान - रनजीतपुरवा - प्रान्त - उन्नाव गये

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

और वहीं नवलदत्त शुक्ल (भाऊएम) से सम्बन्ध कर के रनजीतपुरवा में बस गये। लोटमणि का सम्बन्ध नवलदत्त की बहिन के साथ हुआ था।

लोटमणि के पुत्र ५, जवाहिरलाल १, परमसुख २, महाबल ३, दुर्गाप्रसाद ४, छोटेलाल ५।

जवाहिरलाल के पुत्र ३, शिवबक्स १, मनराबनलाल २, बाजीलाल ३।

शिवबक्स के पुत्र १, बेंचूलाल १।

बेंचूलाल के पुत्र १, बचऊ १।

बचऊ के पुत्र २, बासुदेव १, हनुमान २।

बासुदेव के पुत्र २, लखनलाल १, त्रियुगीलाल २।

लखनलाल के पुत्र १, राजेश्वर १।

त्रियुगीलाल के पुत्र २, भैरवनाथ १, बटुकनाथ २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भैरवनाथ बटुकनाथ के वंश नहीं चला।

हनुमान के पुत्र ४, विनायकप्रसाद १, देवीचरण २,
दुर्गाचरण ३, महाचरण ४।

विनायकप्रसाद के वंश नहीं चला।

देवीचरण के पुत्र ४, राधाकृष्ण १, श्रीकृष्ण २,
गोपीकृष्ण ३, गोपालकृष्ण ४।

दुर्गाचरण, महाचरण के वंश नहीं चला।

मनरावनलाल के पुत्र १, मनीराम १।

मनीराम के पुत्र ३, देवीगुलाम १, देवीसहाय २,
मुन्नाप्रसाद ३।

देवीगुलाम के पुत्र २, गोकरननाथ १, चन्द्रशेखर २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

देवीसहाय के पुत्र २, कार्शीदीन १, प्रागनारायण २।
कार्शीदीन के वंश नहीं चला।
प्रागनारायण के पुत्र १, केदारनाथ १।

मुक्ताप्रसाद के पुत्र १, प्रेमनारायण १।
प्रेमनारायण के पुत्र ४, शिवराज १, शिवदुलारे २,
शिवमोहन ३, शिवगोविन्द ४।
शिवराज के पुत्र ३, शिवनाथ १, शिवप्यारे २,
रमेशचन्द्र ३।
शिवनाथ के पुत्र , रामनिवास १,

शिवदुलारे के पुत्र २, शिवप्रसाद १, शिवशंकर २।
शिवमोहन के पुत्र १, परमानन्द १।
शिवगोविन्द के पुत्र ३, शिवचरण १, हर्षवर्द्धन २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वाजीलाल के पुत्र २, प्रसादीन १, लक्ष्मीनारायण २।

लक्ष्मीनारायण के पुत्र ५, देवीचरण १, वागेश्वर २, शिवसागर ३, रामकृष्ण ४, स्वामिकार्तिक ५।
देवीचरण के पुत्र २, ब्रह्मानंद १, ब्रजविहारीलाल २।

वागेश्वर के पुत्र २, श्यामदयाल १, दुर्गादयाल २।
श्यामदयाल के पुत्र १, विपिनविहारी १।

दुर्गादयाल के पुत्र ३, शिवदयाल १, हरदयाल २, शंकरदयाल ३।
शिवसागर, रामकृष्ण और स्वामिकार्तिक के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

परमसुख के पुत्र २, वस्तीलाल १, दीनदयाल २।
वस्तीलाल के पुत्र ३, मनोहरलाल १, गणेशीलाल २,
गयाप्रसाद ३।
मनोहरलाल के पुत्र २, शिवराम १, परमेश्वरदीन २।
शिवराम के पुत्र ३, देवीदास १, उमाशंकर २, सूर्य-
प्रसाद ३।

देवीदास

यह बड़े उदार, सुयोग्य, धार्मिक और सच्चरित्र थे। वंश के विषय में इन की भी जानकारी बहुत अच्छी थी। इन का लगभग ७० वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया।
देवीदास के पुत्र २, भगवतीप्रसाद १, मुन्नालाल २।
भगवतीप्रसाद के वंश नहीं चला।

उमाशंकर के पुत्र २, शीतलाप्रसाद १, ज्वालाप्रसाद २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सूर्यप्रसाद और परमेश्वरदीन के वंश नहीं चला।

गणेशीलाल के पुत्र २, शिवनारायण १, शिव-
नन्दन २।

शिवनारायण के पुत्र ३, रामभरोसे १, देवीदयाल २।
गंगासागर ३।

रामभरोसे के पुत्र २, चन्द्रभाल १, दयाशंकर २

चन्द्रभाल के पुत्र १, उमेशचन्द्र १।

दयाशंकर और देवीदयाल के वंश नहीं चला।

गंगासागर के पुत्र २, मूलचंद (मुरलीधर) १,
रामचन्द्र २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामचन्द्र के पुत्र २, शिववंश १, रघुवंश २।

शिवनन्दन के वंश नहीं चला।

गयाप्रसाद के पुत्र १, अम्बिकाप्रसाद १।

अम्बिकाप्रसाद के पुत्र ३, सविता नाथ १, सोमेश्वर २, गोर्याना‌थ ३।

गोर्यानाथ के पुत्र ३, यदुनाथ १, वंशीधर २, अनंदीप्रसाद ३।

यदुनाथ के पुत्र १, शंकरलाल १।

वंशीधर के पुत्र २, युगुलकिशोर १, रमेशचंद्र २।

अनंदीप्रसाद के पुत्र २, चन्द्रकिशोर १, बालभास्कर २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

दीनदयाल के पुत्र १, सुखनन्दन १।

सुखनन्दन के वंश नहीं चला।

महाबल के पुत्र १, ज्वालाप्रसाद १।

ज्वालाप्रसाद के पुत्र २, रामसेवक १, शंकादीन २।

रामसेवक के पुत्र ४, शिवलाल १, जगन्नाथ २,
हरिकृष्ण ३, हरप्रसाद ४।

शिवलाल जगन्नाथ और हरिकृष्ण के वंश नहीं चला।

हरप्रसाद के पुत्र १, शिवगुलाम (चुन्नी) १।

शिवगुलाम (चुन्नी) के पुत्र १, विश्वम्भर (बाबू) १।

शंकादीन के पुत्र २, नारायण १, रामप्रसाद २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

दुर्गाप्रसाद के पुत्र १, जिवराखनलाल १।
जिवराखनलाल के पुत्र २, मैकूलाल १, चंदीदीन २।
मैकूलाल के पुत्र २, गौरीशंकर १, मदनगोपाल २।
गौरीशंकर के पुत्र २, सेवानन्द १, एमेश्वर २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कृपाराम के पुत्र २, सुवंशलाल १, गंगाप्रसाद २।

सुवंशलाल के पुत्र ३, लालाराम १, मंगलप्रसाद २,

गुमानीलाल ३।

लालाराम के पुत्र १, रामसेवक १।

रामसेवक के वंश नहीं चला।

मंगलप्रसाद के पुत्र १, मनीराम १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - शार्ङ्गधर वंश वर्णन -

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शार्ङ्गधर

यह उद्भट विद्वान् और आयुर्वेदाचार्य हो गये हैं। वैद्यक शास्त्र और साहित्य के आप ने कई ग्रन्थ लिखे हैं। इन के आशीर्वाद से वंश-परम्परा से प्रतिष्ठित सद्वैद्य होते चले आते हैं। आप की वंश-शाखा स्थान-बनवारिया-प्रान्त-गोंडा से स्थान-सुमेरपुर[१] प्रान्त-उन्नाव में आ बसी है।

शार्ङ्गधर के पुत्र ३ · भवानीप्रसाद १, जीवनप्रसाद २, भुम्मा ३।

भवानीप्रसाद के पुत्र ३, टोडमणि १, भोगमणि २, सिद्धिमणि ३।

टोडमणि

यह स्थान-बनवारिया प्रान्त-गोंडा से स्थान-सुमेरपुर-

---

१ - क्षत्रिय सुमेरशाह पहिले आ कर स्थान-कीर्तिपुर प्रान्त-उन्नाव में बसे। कुछ दिन पश्चात् सुमेरशाह ने तीन ग्रामों बड़ारवेरा, छाछीरई-खेरा और कीर्तिपुर के अन्तरगत सुमेरपुर को बसाया।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रान्त - उनाव गये और वहां मकरन्द के शुक्ल के यहां सम्बन्ध करके सुमेरपुर में बस गये। इन के भाई ओमामणि (क्षेमकरन) व सिद्धिमणि व इन के चाचा जीवनराम का भी वंश यहां ही बस गया।

टोडमणि के पुत्र ४, प्र० स्त्री से पुत्र २, यदुनाथ १, शिवानंद २
द्वि० स्त्री से पुत्र २, मुन्नालाल १, माणोराम २।
यदुनाथ के पुत्र २, शिवबकस १, साहबलाल २।
शिवबकस के पुत्र १, हरिप्रसाद १।
हरिप्रसाद के पुत्र २, मुरलीधर १, वंशीधर २।
मुरलीधर के पुत्र ३, संकठाप्रसाद १, कालीचरण २,
शिवमोहन ३।
संकठाप्रसाद कालीचरण के वंश नहीं चला।
शिवमोहन के पुत्र २, चन्द्रनारायण १, पद्मनारायण २।

पद्मनारायण के पुत्र १, प्रेमनारायण १।
साहबलाल के पुत्र १, हरदीन १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

हरदीन के पुत्र १, गौरीशंकर १।

गौरीशंकर

यह स्थान-सुमेरपुर-प्रान्त-उन्नाव से मु० सीसामऊ-कानपुर गये और वहीं बस गये।

गौरीशंकर के पुत्र ३, ग्रानन्दीदीन १, बलखंडीलाल २, वागीश्वर ३।

ग्रानन्दीदीन के पुत्र १, एमेश्वर १।

एमेश्वर के पुत्र २, शिवमोहन १, कालिकाप्रसाद २।

शिवमोहन

यह स्थान-सुमेरपुर प्रान्त-उन्नाव से मु० बिहाना-प्रयाग गये और वहीं बस गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बलखंडीलाल के पुत्र १, परमेश्वरदीन १।

परमेश्वरदीन के पुत्र २, भैरवप्रसाद १, महावीरप्रसाद २।

भैरवप्रसाद के पुत्र १, कृपाशंकर १।

वागीश्वर के पुत्र १, वज्रभूषण १।

वज्रभूषण

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वंशधर के पुत्र १, एमदीन १।

एमदीन

यह अपनी नानी के पास रहे और उन्हीं ने इन का पालन-पोषण किया। स्थान - ऊमरपुर प्रान्त - उन्नाव से यह स्थान - भड़सर - नौशहरा चले गये और वहीं बस गये। ऊमरपुर में इन के ननिहाल वाले शुक्लों (हड्डू वाले) का घराना अब भी वहां बसा हुआ है।

एमदीन के पुत्र ५, गंगादीन १, शिवदीन २, बालाप्रसाद ३, पुखादत्त ४, पंचमलाल ५।

गंगादीन के पुत्र २, मथुराप्रसाद १, रघुवरप्रसाद २।

मथुराप्रसाद के पुत्र २, मूलनारायण १, प्रागनारायण २।

मूलनारायण

यह २½ वर्ष के थे कि चेचक के निकलने से यह नेत्रविहीन हो गये और इस अवस्था में भी श्री प्रभाकर वंश के प्रति इन का बड़ा अगाध प्रेम है यह बराबर सुमेरपुर आते-जाते रहते हैं इन्हों ने अपना विवाह नहीं किया।

प्रागनारायण के पुत्र १, रमाकान्त १।

रघुवरप्रसाद का वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

गुरुप्रसाद के पुत्र १, सोहनलाल १।
सोहनलाल के पुत्र ४, बाबूराम १, हरिशंकर २, गिरिजा-
शंकर ३, शिवशंकर ४।
रघुनाथप्रसाद के पुत्र ३, गोकरननाथ १, मदनमोह-
न २, छेदीलाल ३।
गोकरन नाथ के पुत्र ४, कालीशंकर १, बृजमोहन २,
उमाकांत ३, व्योमप्रकाश ४।
मदनमोहन के पुत्र १, प्रभाशंकर १।
यदुनाथप्रसाद के पुत्र २, जगदीशनारायण १,
प्रेमनारायण २।
एमसुंदर के पुत्र ३, शशिनाथ १, बृजनाथ २,
नागेन्द्रनाथ ३।
शिवदीन के पुत्र ३, काशीप्रसाद १, दीनानाथ २,
देवीदीन ३-इन का वंश नहीं चला।
बालाप्रसाद, पुरषादत्त, पंचमलाल का वंश नहीं चला।
शिवानंद के पुत्र ६, गुरुप्रसाद १, लाला २, सेव-
कराम ३, लल्लू ४, गुरुदत्त ५, बृजलाल ६।
गुरुप्रसाद के पुत्र ३, जगन्नाथ १, केदारनाथ २,
प्राणेनाथ ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

जगन्नाथ

यह अपने समय के समस्त उत्तर भारत के संस्कृत के प्रमुख विद्वानों में गिने जाते थे। पहिले अयोध्या नरेश राजा मान सिंह के यहां आप चिरकाल तक राज पंडित रहे थे। इन को कवि ढाई सौ बीघा भूमि अयोध्या, रायबोली और उनाव ग्रामों के आस-पास छोड़ गये हैं जो अब तक विद्यमान है। आप की भाषा और विशेषतया संस्कृत काव्य का बड़ा ही आदर हुआ है। भाषा काव्य का उल्लेख 'शिवसिंह सरोज' और 'मिश्र बंधु विनोद' में भी किया गया है। विलक्षण पाण्डित्य के कारण अलवर नरेश महाराज शिवदानसिंह के दर्बार में आप का विशिष्ट स्थान था यहां आप अंतिम समय तक रहे।

जगन्नाथ के पुत्र ३, गयाप्रसाद १, जयराम २, शिवराम ३। गयाप्रसाद के वंश नहीं चला।

जयराम

इन्हों ने काशी की मध्यमा, पंजाब की शास्त्री तथा वयो वृद्ध होने पर भी पंजाब की एन्ट्रेंस परिक्षएं पास की। सन् १८९१ ई. में २७ वर्ष की अवस्था में गवर्नमेन्ट हाई स्कूल बहराइच में

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

संस्कृत अध्यापक की हैसियत से नौकरी प्रारम्भ कर के फैजाबाद इंटर कालेज से १८० मासिक वेतन पाते हुए सर्विस से रिटायर हुए। अपने परिश्रम और लगन से संस्कृत का पठन-पाठन आप एवने के लिये ग्राम सुमेरपुर में भी विद्यार्थियों को कावर पढ़ाते रहे। अब एक सरकारी सहायता प्राप्त सीताराम जयराम संस्कृत पाठशाला स्थापित है आप ने 'शाण्डिल्य वंश वर्णन' नाम की वंशावली सं १९९९ वि. में छपवाई थी।

जयराम के पुत्र १, चन्द्रभूषण १।

चन्द्रभूषण के पुत्र २, विद्याधर १, वंशीधर २।

शिवराम के पुत्र ३, शारदाचरण १, गिरीशनाथ २, देवनाथ ३।

शारदाचरण के पुत्र १, रामचन्द्र १।

केदारनाथ के पुत्र ३, काशीप्रसाद १, अयोध्याप्रसाद २, कालिकाप्रसाद ३।

काशीप्रसाद के पुत्र २, जयदेव १, शुकदेव २।

जयदेव के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शुकदेव के पुत्र १, भगवतीप्रसाद १।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र १, मनबोधन (अपुत्र एहे) १।

प्राणिनाथ के वंश नहीं चला। कालिकाप्रसाद के वंश नहीं चला।

लाला के पुत्र १, शंभूनाथ १।

शंभूनाथ

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - एिवारी प्रान्त - फतेहपुर गये और वहीं बस गये।

शंभूनाथ के पुत्र २, विश्वेश्वर १, कार्त्तिकनाथ २।

विश्वेश्वर के पुत्र ३, चन्द्रनाथ १, गौरिजाशंकर २, बैजनाथ ३।

चन्द्रनाथ के पुत्र ५, वेणीप्रसाद १, जात्याप्रसाद २, दुर्गाप्रसाद ३, उमाशंकर ४, शिवशंकर ५।

जात्याप्रसाद के पुत्र १, महाबीरप्रसाद १।

महाबीरप्रसाद

यह स्थान - एिवारी - प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - कठेरुवा प्रान्त - कानपुर गये और वहीं बस गये।

महाबीरप्रसाद के पुत्र ३, मृत्युञ्जय १, आशुतोष २, हरिहर ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

दुर्गाप्रसाद के पुत्र २, एजकुमार १, गोपेश्वर २।

गोपेश्वर का वंश नहीं चला।

उमाशंकर के पुत्र - कमलाशंकर १, अशोककुमार २,

गिरिजाशंकर

यह स्थान - एिवारि - प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - ऊन्र - प्रान्त - उन्नाव गये।

गिरिजाशंकर के पुत्र १, देवशंकर १।

वैजनाथ के पुत्र २, देवीशंकर १, करुणाशंकर २।

करुणाशंकर के पुत्र २, संतोषकुमार १, विजयकुमार २।

कालीनाथ के वंश नहीं चला।

सेवकराम, लल्लू, गुरुदत्त और रजलाल के वंश नहीं चला।

मुन्नालाल के पुत्र ४, बालगोविन्द १, गुरुगोविन्द २,

विश्वनाथ ३, शोभनाथ ४।

बालगोविन्द के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

गुरुगोविन्द के पुत्र ६, प्रयागदत्त १, हरदत्त २, सुखनन्दन ३, रघुनन्दन ४, शिवकंठ ५, दुर्गादीन ६।

प्रयागदत्त

यह उद्भट वैय्याकरण थे। कल्लमल पाठशाला (कानपुर) के प्रधान अध्यापक राजाराम शास्त्री मिश्र, गिरधरानन्द शास्त्री सारस्वत ब्राह्मण, बारा ग्राम (उन्नाव) वासी पं. शंकरदयाल मिश्र के पिता वैजनाथ जी शास्त्री और दाक्षिणात्य राम राव वाजी फाल ग्वालियर राज्य के नायब दीवान आदि ऐसे विद्वान आपके शिष्य थे। ग्वालियर राज दर्बार में आप की बड़ी प्रतिष्ठा थी।

प्रयागदत्त के पुत्र ३, गयादत्त १, सदानंद २, ब्रह्मानंद ३।

गयादत्त के वंश नहीं चला।

सदानन्द

यह संस्कृत के बहुत बड़े विद्वान् और विद्या व्यसनी थे। इन्हों ने अपना दीर्घ जीवन ग्वालियर राज्य की संस्कृत पाठशालाओं में बिताया था।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ब्रह्मानन्द

यह अपने ज्येष्ठ भ्राता सदानन्द की तरह ये भी संस्कृत के भारी विद्वान् थे। और इन्हों ने भी ग्वालियर राज्य में ही पाठशालाओं में अध्यापकी कर के अपना सारा जीवन बिताया।

हरदत्त

यह ज्योतिष शास्त्र के अद्भुत ज्ञाता थे। चमत्कारिक फल प्रदर्शित कर सकने पर आप ने बड़ौदा राज दर्बार में अच्छा नाम और यश प्राप्त किया।

हरदत्त के पुत्र १, सिद्धुगोपाल १।

सिद्धुगोपाल के पुत्र २, देवकीनंदन १, संकठानंदन २।

देवकीनन्दन के पुत्र १, विजयशंकर (मुन्नीलाल) १।

संकठानन्दन के पुत्र १, एममनोहर १।

एममनोहर के पुत्र २, शिवाकिशोर १, रुद्राकिशोर २।

सुखनन्दन के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रघुनन्दन

यह स्थान - सुमेरपुर - प्रान्त - उन्नाव से स्थान - तोधकपुर प्रान्त - रायबरेली गये और वहीं बस गये।

रघुनन्दन के पुत्र २, शिवदत्त १, वंशगोपाल २।

शिवदत्त के पुत्र ३, देवीचरण १, देवीदयाल २, गोपीकृष्ण ३।

देवीचरण के पुत्र १, सूर्यप्रसाद १।

सूर्यप्रसाद के पुत्र १, बलभद्रप्रसाद १।

देवीदयाल के पुत्र ३, जगदेवनारायण १, जगदीशशंकर २, कालीप्रसाद ३।

गोपीकृष्ण का वंश नहीं चला।

शिवकंठ के पुत्र २, बलदेवप्रसाद १, बद्रीविशाल (लाला) २।

बलदेवप्रसाद के पुत्र १, निजानन्द (अपुत्र रहे) १।

बद्रीविशाल (लाला) के पुत्र १०, नारायण १, एमनारायण २, प्रेमनारायण ३, उदितनारायण ४, अवधनारायण ५, जयनारायण ६, जगदीशनारायण ७, शिवनारायण ८, देवीप्रसाद ९,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शिवप्रसाद १०।

नारायण

यह स्थान - सुमेरपुर - प्रान्त - उन्नाव से स्थान - नहत्था - रामपुर - प्रान्त - रायबरेली गये और वहीं बस गये।

नारायण के पुत्र ३, कृष्णदत्त १, जयकृष्ण २, बलराम ३।

जयकृष्ण के पुत्र १, सूर्यनारायण १।

बलराम के पुत्र २, कालीप्रसाद १, दुर्गाप्रसाद २।

रामनारायण के पुत्र १, बजलाल (अपुत्र रहे) १।

प्रेमनारायण के पुत्र २, केशरीकिशोर १, कृष्णकिशोर २।

उदितनारायण, प्रबधनारायण, जमनारायण, जगदीश - नारायण और शिवनारायण के वंश नहीं चला।

देवीप्रसाद शिवप्रसाद

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - शाङ्गधर वंश वर्णन

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - शेरी (मंझेरा पुरवा के पास) प्रान्त - बाराबंकी जाये और वहीं बस गये।

दुर्गादीन के पुत्र ३, शिवचन्द्र १, शिवाधार २, शिवकुमार ३।

शिवचन्द्र के पुत्र १, दयाचरण १।

शिवाधार के पुत्र १, काशीचरण १।

शिवकुमार के वंश नहीं मिला।

विश्वनाथ के पुत्र ५, शिवसहाय १, व्यालीराम २, शिवसेवक ३, जयगोपाल ४, जानकीप्रसाद ५।

शिवसहाय के पुत्र १, रमानन्द १।

रमानन्द के पुत्र १, राजेन्द्र १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

एजेन्द्र के पुत्र १, हीरालाल १।

हीरालाल

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - गुलरिहा - प्रान्त - रायबरेली गये।

हीरालाल के पुत्र ५, शिवचरण १, कालीशंकर २, देवीचरण ३, गिरिजाशंकर ४, गजाधर प्रसाद ५।

शिवचरण के पुत्र १, सुशीलकुमार १।

रत्नालाराम के पुत्र २, शिवमंगल १, शिवराम २।

शिवमंगल के पुत्र २, गंगादयाल १, गंगानारायण २।

गंगादयाल के वंश नहीं चला।

गंगानारायण

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

यह स्थान-सुमेरपुर प्रान्त-उन्नाव से स्थान-खेमानखेरा पोस्ट. भोजपुर प्रान्त-रायबरेली गये और वहीं बस गये।

गंगानारायण के पुत्र २, रामप्यारे १, उमाशंकर २।

शिवराम के पुत्र २, शिवलाल १, शिवरावन २।

शिवलाल शिवरावन के वंश नहीं चला।

शिवसेवक का वंश नहीं चला।

जयगोपाल के पुत्र ३, शिवभद्र १, शिवदर्शन २, शिवबोधन ३।

शिवभद्र के पुत्र २, बद्रीनारायण १, कृष्णकुमार २।

बद्रीनारायण कृष्णकुमार के वंश नहीं चला।

शिवदर्शन के पुत्र ४, प्रयागरतन १, कैलासनाथ २, त्रिभुवननाथ ३, भैरवनाथ ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रयागरतन के पुत्र ३, कालीकिशोर १, लक्ष्मीकिशोर २, कमलाकिशोर ३।

शिवबोधन के वंश नहीं चला।

जानकीप्रसाद के पुत्र १, शिवनन्दन १।

शिवनन्दन के पुत्र ४, गंगाकृष्ण १, गंगाविष्णु २, रमा-कान्त ३, लक्ष्मीकान्त ४।

गंगाकृष्ण के पुत्र १, कमलाकान्त १।

शोभनाथ के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मणिराम के पुत्र ८, ईश्वरनाथ १, शिवशंकर २, गौरीशंकर ३, सत्यदेव ४, गंगाशंकर ५, दयाशंकर ६, प्रयागशंकर ७, चन्द्रशेखर ८।

ईश्वरनाथ के पुत्र ४, कामताप्रसाद १, शिववली २, महादेव ३, दुलम्मीलाल ४।

कामताप्रसाद के वंश नहीं चला।

शिववली के पुत्र १, रामनारायण १।

रामनारायण के वंश नहीं चला।

महादेव और दुलम्मीलाल के वंश नहीं चला।

शिवशंकर के पुत्र २, शिवप्रसाद १, रामदेव २।

शिवप्रसाद और रामदेव के वंश नहीं चला।

गौरीशंकर के पुत्र ४, वेणीप्रसाद (अपुत्र रहे) १, देवकीनंदन २, हरिवंश ३, शिववंश ४।

देवकीनन्दन के पुत्र ३, रामभद्र (अपुत्र रहे) १, रघुवंश २, यदुवंश ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रघुवंश

यह संस्कृत के बड़े अच्छे विद्वान् थे। इन का जीवन अर्थ लाभ के लिये विशेष कर बम्बई में व्यतीत हुआ। पर यह अधिक दिन तक न रहते थे। अर्थ लाभ कर ग्राम चले आते थे। आवश्यकता पड़ने पर फिर बम्बई चले जाते थे। बम्बई के खेमराज श्रीकृष्णदास सेठ तथा निर्णय सागर प्रेस के अध्यक्ष इन से भली भांति परिचित थे और इन का आदर करते थे। इनकी प्रतिभा सर्वतोमुखी थी। यह व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, दर्शन आदि सभी में विशेष गति रखते थे संस्कृत, हिन्दी और उर्दू के अतिरिक्त कुछ अंग्रेजी भी जानते थे। मराठी और गुजराती भाषाओं के अच्छे पंडित थे। बड़े हंसमुख, मिलनसार, सभा चतुर उदारचेता और सज्जन थे। आप का ६० वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया।

यदुवंश के पुत्र १, विष्णुदत्त १।

विष्णुदत्त के पुत्र १, शंभूदत्त १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

हरिवंश के पुत्र २, नारायणदत्त १, एमदत्त २।

नारायणदत्त एमदत्त के वंश नहीं चला।

शिववंश के वंश नहीं चला।

सत्यदेव, गंगाशंकर, दयाशंकर, प्रयागशंकर और चन्द्रशेखर के वंश नहीं चला।

भोगामणि (क्षेमकरन) के पुत्र ४, देवीप्रसाद १, कनौजीलाल २, वैजनाथ ३, शिवगुलाम ४।

देवीप्रसाद के पुत्र ५, गंगाविष्णु १, जगन्नाथ २, मानी ३, शिवदास ४, भोलानाथ ५।

गंगाविष्णु के पुत्र १, जानकीप्रसाद १।

जानकीप्रसाद के पुत्र ३, कृष्णदत्त १, अम्बिकाप्रसाद २, एमदत्त ३।

कृष्णदत्त और अम्बिकाप्रसाद के वंश नहीं चला

एमदत्त के पुत्र २, कालीप्रसन्न १, सत्यनारायण २।

कालीप्रसन्न के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सत्यनारायण

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - बाबूखेरा - प्रान्त - उन्नाव गये और वहीं बस गये।

जगन्नाथ के पुत्र १, शंकाप्रसाद १।

शंकाप्रसाद के पुत्र १, धर्मदत्त १।

धर्मदत्त के पुत्र १, गदाधर १।

गदाधर

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - उप्टरा - प्रान्त - रायबरेली गये और वहीं बस गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

---

प्रानी, शिवदास और भोलानाथ के वंश नहीं चला।

कनौजीलाल

यह स्थान-सुमेरपुर प्रान्त-उनाव से ९वां राज्य जाये और वहां रीवांधिपति महाराज रघुराजसिंह जी के यहां सुयोग्य राज वैद्य थे।

कनौजीलाल के पुत्र ३, ठाकुरप्रसाद १, भैरवप्रसाद २, गौरप्रसाद ३। यह शल्य चिकित्सा में विशेष रूप से कुशल थे और रीवां में राज्य वैद्य रहे।

ठाकुरप्रसाद के पुत्र ८, गयाप्रसाद १, देवकृष्ण २, देवनारायण ३, देवदत्त ४, हरदयाल ५, हरनाथ ६, गंगाधर ७, रामदयाल ८।

गयाप्रसाद के पुत्र १, अयोध्याप्रसाद १।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र १, कृष्णप्रसाद १।

कृष्णप्रसाद के पुत्र ३, कौशलकिशोर १, गणेशप्रसाद ३, रामकिशोर ३

देवकृष्ण के पुत्र २, रामनेवाज १, शिवनेवाज २।

रामनेवाज के पुत्र १, सूर्यकुमार १।

सूर्यकुमार के पुत्र ३, वनमाली १, वाणीविलास २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

नर्मदाशंकर ३।

शिवनेवाज के पुत्र १, रामप्रसाद (नौबत्तादीन) १।

देवनारायण के पुत्र ३, हनुमान १, शिवभान २, नंदकुमार ३
—— यह तीनों भाई अप्रपुत्र रहे।
देवदत्त के पुत्र ३, गंगासहाय १, गंगारतन २, गंगाचरण ३
गंगासहाय के पुत्र ५, काशाशंकर १, गिरिजाशंकर २, प्रभाशंकर ३, कृष्णशंकर ४, रुद्रशंकर ५।

गंगारतन के वंश नहीं चला।

हरदयाल के पुत्र १, शंभूदयाल १।

हरनाथ के पुत्र १, रामकुमार १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामकुमार के पुत्र ३, कालीशंकर १, शिवशंकर २, रामशंकर ३।

शिवशंकर के पुत्र १, विद्याभूषण १,

गंगाधर और रामदयाल के वंश नहीं चला।

भैरव प्रसाद के वंश नहीं चला।

गौरप्रसाद

यह एवं राज्य के प्रतिष्ठित राज्य वैद्य थे।

गौरप्रसाद के पुत्र १, महाबीर १।

महावीर के पुत्र १, सदासुख १।

सदासुख के पुत्र १, शिवदुलारे - (अपुत्र रहे) १।

बैजनाथ

यह संस्कृत के धुरंधर विद्वान् थे। उन की विद्वता पर मुग्ध हो कर तत्कालीन एवं नरेश महाराज विश्वनाथसिंह जी ने अपना राज पंडित बनाया और सदा आदर की दृष्टि से देखते रहे। उदयपुर ऐसे प्रधान राज दर्बार में भी आप ने अपने सगुणों द्वारा उपर्युक्त सम्मान पाया था।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वैजनाथ के पुत्र १, सत्यनारायण १।

सत्यनारायण के पुत्र ३, हरसहाय १, रामसहाय २, शिवसहाय।

हरसहाय के पुत्र ३, लक्ष्मीनारायण १, देवीसहाय २, रघुवरदयाल ३।

लक्ष्मीनारायण के पुत्र १, उमादत्त १।

उमादत्त के पुत्र ३, महादेवशंकर १, गिरिजाशंकर २, कृष्णशंकर ३।

देवीसहाय के पुत्र ३, जयकृष्ण (लल्ली) १, प्रीकृष्ण (बल्ली) २, शंभूरतन (लल्ला) ३।

जयकृष्ण (लल्ली) के वंश नहीं चला।

प्रीकृष्ण (बल्ली) के पुत्र १, विमलचन्द्र १।

शंभूरतन (लल्ला) के पुत्र १, रमेशचन्द्र १।

रघुवरदयाल के पुत्र २, सुरेन्द्रमोहन १, गुलाबशंकर २।

रामसहाय के पुत्र ३, रूपनारायण १, हेमनारायण २, प्रयागनारायण ३।

रूपनारायण के पुत्र २, श्यामनारायण १, देवीगुलाम - (यह अपुत्र रहे) २।

श्यामनारायण के पुत्र १, शंभूदयाल १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

---

हेमनारायण के पुत्र ४, राजदुलारे १, राजकृष्ण २, सूर्यकुमार ३, जानकीप्रसाद ४।

राजदुलारे के पुत्र ३, शिवमोहन १, वाणीमोहन २, सुशील-कुमार ३।

राजकृष्ण के पुत्र १, लालु १।

जानकीप्रसाद के वंश नहीं चला।

प्रयागनारायण के वंश नहीं चला।

शिवसहाय के पुत्र ३, माधवप्रसाद १, गिरिशप्रसाद २, जगदीशप्रसाद ३।

माधवप्रसाद के वंश नहीं चला।

गिरिशप्रसाद के पुत्र १, कृपाशंकर १।

कृपाशंकर के पुत्र ३, द्वारिकाप्रसाद १, युगुलकिशोर २, नरेन्द्रनाथ ३।

जगदीशप्रसाद के पुत्र ३, उमाशंकर १, रमाशंकर २, दयाशंकर ३।

शिवगुलाम के पुत्र ४, दुर्गाप्रसाद १, गुरुदास २, दुर्गाचरण १, दुर्गादास ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

दुर्गाप्रसाद के पुत्र ४, कुंजविहारीलाल १, लालविहारी २, रामनाथ ३, रामरत्न ४।

कुञ्जविहारीलाल

यह बड़े प्रतापी और यशस्वी हुए। प्राय: समस्त कान्यकुब्ज मंडल में आप का नाम बड़े आदर से स्मरण किया जाता है बाल काल में रूठ कर आप परदेश के लिये निकल पड़े, और भ्रमण करते करते कुमिल्ला (पूर्वी बंगाल) जा पहुंचे और अगरतला महाराज के दर्बार में स्थान-प्राप्त किया।

आप के स्वाभाविक अनुपम गुणों द्वारा राज-कार्यों के सुचारु रूप से सम्पादन का प्रभाव महारानी और महाराजा पर इतना अधिक पड़ा कि उन के विश्वस्त कृपा पात्र बन गये, जिस से आप की शीघ्र उन्नति होती चली गयी। परन्तु स्वातंत्र्य प्रेमी पुरुषों की भांति महाराजा से असीम सम्मान प्राप्त होते हुए भी आप अधिक दिन नौकरी न कर सके और स्वतंत्र रूप से महाजनी करने लगे। फिर भी महाराजा साहब समय-समय पर आप की सम्मति

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बड़े आदर के साथ लेते और विशेष मूल्य का समझते थे, राज्य का कोई महान् कार्य बिना आप की सम्मति लिये न किया जाता।

ईश्वर की कृपा तथा सच्चाई के साथ व्यापार कुशलता द्वारा आप ने अल्प काल में ही प्रचुर धन राशि एकत्रित कर ली। उस प्रान्त में किसी देश वासी ने इतने थोड़े समय में आप से अधिक कीर्ति और धन उपार्जन नहीं किया। सौजन्यता के कारण अवध के तालुकदारों में भी आप का आदर और प्रतिष्ठा थी। सार्वजनिक हित कार्यों में आप की विशेष रुचि होने के कारण सर्व साधारण में भी आप का मान था। आप ने जिस प्रकार धनोपार्जन किया उसी प्रकार उदारता के साथ उस का सद्व्यय भी किया। शहर कुमिल्ला में आप का स्थापित किया हुआ एक बालिका-विद्यालय अब तक विद्यमान है। उक्त नगर में जलाभाव दूर करने के लिये आप ने चार पक्के तालाब (तड़ाग) बनवाये जो अभी तक उन की स्मृति के चिन्ह स्वरूप वर्तमान हैं, और जिन से सर्व साधारण को यथार्थ लाभ पहुंचता है। आप की बनवाई हुई दो तीन इमारतें पथिकों के लिये विश्राम करने के वास्ते अभी तक बंगाल में मौजूद है। बंगाल के गवर्नर ने आप के परोपकारी

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कार्यों से प्रसन्न होकर एक सनद भी दी थी जिस का बंगाल गवर्नमेन्ट गजट के विशेषांक सन् १८८८ ई० में उल्लेख हो चुका है।

इसी प्रकार अपनी जन्मभूमि ग्राम सुमेरपुर के अन्तरगत पक्की सड़क के किनारे कल्याणपुर में सं. १९३४ वि. में आप ने एक सुदृढ़ पक्का तालाब (नड़ाग) और कई कुएं आदि बनवाये।

सं. १९३४ वि. के कराल दुर्भिक्ष में जब चारों ओर हा हा कार मच रहा था दीन दुःखियों के आर्त नाद से द्रवित हो समीपवर्ती ग्रामों में संकटापन्न मनुष्यों के जीव रक्षार्थ ढिंढोरा पिटवा कर आप छः मास पर्यन्त यथेष्ठ अन्न वितरण किया था। जिस में पचास सौ मन २५००) घर का एकत्रित अन्न चुक जाने के पश्चात् बाहर दूर-दूर से भी मोल मंगा कर बांटा था।

कुटुम्ब और परिवार की यथेष्ठ सेवा करने के अतिरिक्त समस्त ग्राम वासियों की भी किसी न किसी

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रकार सहायता करते थे। यहां तक कि कितनों ही पालन-पोषणतक आप ही पर निर्भर था। असमर्थ ब्राह्मणों की कन्याओं के विवाह तथा बालकों के यज्ञोपवीतादि संस्कारों में सहायता देने में आप सदा तत्पर रहते थे। शीत काल में असमर्थों को हा वर्ष लिहाफ़ तथा अन्य गरम वस्त्रादि तो आप दान किया ही करते थे। आप का यह दान अति सराहनीय था।

कुञ्जविहारीलाल के पुत्र २, श्रीकृष्णलाल १, राजकिशोर २।

श्रीकृष्णलाल

श्रीकृष्णलाल का जन्म भाद्रपद कृष्ण-कृष्णाष्टमी सम्वत् १८०५ वि. को कुमिल्ला में हुआ था। आप बड़े पुण्यात्मा और परोप-कारी थे। समाज सुधार का अंकुर आप के विशाल हृदय में बचपन से ही जमा हुआ था, अछूतों के साथ भी आप का व्योहार सराहनीय था। आप असमर्थ गर्गिब, लोध, कोरी, पासी, आदि सब से हिल मिल कर रहते और पूर्ण सहानुभूति प्रद-र्शित करते थे। वर्षा ऋतु में कावड़े और कड़ियों के साथ मज़-दूरों को लिये हुए ग्राम में चारों ओर घूमा करते और जहां

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

जैसी आवश्यकता देखते दीन दुखियों को वर्षा संकट से तत्क्षण उबारते। वार्षिक त्योहारों में आप का अदम्य उत्साह पूर्ण स्वार्थ त्याग के साथ होने के कारण वास्तव में प्रशंसनीय और समाज हितकारी होता था। आप के पास सदैव चालीस पचास मनुष्य उपस्थित रहते थे। यह पितृ भक्त भी थे आप का दान प्राय: गुप्त और निस्वार्थ होता था। एवं आप सर्व प्रिय थे। आप के जीवन का मुख्य उद्देश्य प्रेम और परोपकार था। सम्वत् १९२९ वि. में २४ वर्ष की अवस्था में आप का अप्रत्याशित होना ग्राम के सर्व साधारण ने बड़े दु:ख के साथ सहन किया। ग्राम वासियों ने आप के वियोग दुख से लगभग ८ वर्ष पर्यन्त उत्सवों में विशेष उत्साह से सम्मिलित न हो आप के प्रति प्रेम का पूर्ण परिचय दिया।

राजकिशोर

इन का जन्म सम्वत् १९०७ वि. माघ शुक्ल १३ को कुमिल्ला नगर में हुआ। ऐश्वर्य सम्पन्न घर में जन्म लेने के कारण आप बड़े लाड़-प्यार से पाले गये। घर के काम काज के

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सम्हालने के लिये उस समय के प्रथानुसार - बाल्य काल में आप को हिन्दी, कैथी तथा साधारण गणित पढ़ा दी गई थी। आधिक समय व्यायाम व खेल कूद में जाने से आप स्वयं भी विशेष पढ़ लिख नहीं सके। २५०० डंड १५०० बैठक करना मुग्दर और लेजम भांजना तदुपरान्त ३ घंटे तक कुश्ती लड़ना आप के नित्य का प्रधान कर्म था। प्रतिष्ठित घर के होने के कारण आप दंगलों में लड़ना मर्य्यादा विरुद्ध समझते थे; किन्तु आप के साथ लड़े हुए हिन्दूसिंह आदि पहलवानों ने दंगलों में अच्छी ख्याति पाई है। वैसवारे के प्रधान पहलवान सदकूसिंह से भी आप भिड़ते थे। पञ्जा लड़ाने का आप को बहुत शौक था परन्तु इतना बल किस में था कि सामना करता, इस लिये कमरे की दीवाल में एक लोहे का पञ्जा गाड़ आप उस से भिड़ाया करते थे। आप के पञ्जे से उमेठी हुई किवाड़ में लोहे की जंजीर अभीतक लगी है।

अश्वारोहण और बंदूक से शिकार खेलने का आप को बड़ा शौक था किन्तु इस व्यसन को हिंसक एवं क्रूर समझ कर आप ने उसे सर्वदा को परित्याग कर दिया।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

आप परम वैष्णव आनंदकंद श्रीकृष्णचन्द्र के अनन्य भक्त थे परन्तु अपने बड़े भाई की स्त्री (भौजाई) के कथनानुसार सं. १९७८ वि. आषाढ़ शुक्ल को आप ने श्री राजेश्वर महादेव जी की स्थापना बड़ी निष्ठा-कठिन साधना के साथ की। प्रतिष्ठा कराने के लिये कानपुर के सुप्रसिद्ध पं. रामचन्द्र वाजपेयी तथा सूर्यदत्त वाजपेयी आदि पधारे थे। वे लोग ऐसी श्रद्धा आचार-विचार तथा इस अवस्था में अविश्रान्त परिश्रम तथा अगाध भक्ति देख चकित हो गये और आप की भूरि२ प्रशंसा करते रहे थे।

ज्योतिष और आयुर्वेद में आप की असाधारण पहुंच होने के कारण आप को मृत्यु समय ज्ञात हो गया था। आप उसे बहुधा कहा भी करते थे। उत्तरायण सूर्य और शुक्ल पक्ष तो आप के इच्छानुसार ही थे, परन्तु बुधवार चतुर्दशी और रात्रि का समय अनुकूल न था। अतएव मृत्यु के तीन, चार दिन पूर्व से आप जगन्नियन्ता से प्रार्थना किया करते थे। बुधवार को दिन में २ दो बजे अचानक मरणासन्न अवस्था हो जाने पर आप ने बड़े ही आकुलता से रात्रि टल जाने के लिये कुटुम्बियों के समक्ष गद्गद कंठ से करुणा जनक ले

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

विनय की।

रात्रि को ज्वाय की अवस्था इतना अधिक बिगड़ी कि घर के लोग हताश हो विकल हो उठे। परन्तु उन भयंकर काल की क्रूर ताड़नों के आक्रमण से उस समय बच जाने पर ज्वाय पुनः सचेत हो गये। वृहस्पतिवार को प्रातःकाल का दर्शन पाते ही परब्रह्म के निकट अपनी परमोच्च आकांक्षा स्वीकृत समझ ज्वाय परम प्रसन्न हुए, जिस का प्रस्फुटन ज्वाय के श्रीमुख पर स्पष्ट दृष्टिगोचर हुआ। शिवप्रतिष्ठा के सात ७ मास पश्चात् सम्वत् १९७८ वि. माघ शुक्ल पूर्णिमा वृहस्पतिवार को दिन में भद्रोपरान्त १० बजे के लगभग ज्वाय ने प्रशान्त तथा प्रसन्न मुख हो शरीरोत्सर्ग कर दिया।

राजकिशोर के पुत्र ७, राजनारायण १, प्रयागनारायण २, रामनारायण ३, ब्रह्मनारायण ४, केशवप्रसाद ५, वासुदेव ६, श्रीनाथ ७।

राजनारायण, प्रयागनारायण, रामनारायण के वंश नहीं चला।

ब्रह्मनारायण के पुत्र ४, राजेन्द्रशंकर (श्रीधर) १, जितेन्द्रशंकर २, योगेन्द्रशंकर ३, वीरेन्द्रशंकर ४।

राजेन्द्रशंकर (श्रीधर) के पुत्र १, विनोदकुमार १। ~~१ वि~~ प्रमोदकुमार

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

केशवप्रसाद के पुत्र १, गंगाधर १।
वासुदेव के पुत्र २, रविन्द्रशंकर १, सुरेश २।

लालवेहारी

यह परम धर्मात्मा तथा इन की स्त्री सदाचारिणी और महान् पतिव्रता थी। इन का स्वर्गवास होने पर यह उन के साथ सती हो गई। सती चौरा स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव में बना हुआ है।

गुरुदास के पुत्र ३, शिवसागर १, रामसागर २, रामसेवक ३।
शिवसागर के पुत्र ४, कृष्णकिशोर १, रामकिशोर २, हरि-किशोर ३, शिवमोहन ४।
कृष्णकिशोर के पुत्र १, चन्द्रशेखर (अपुत्र रहे) १।
रामकिशोर के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामसागर के पुत्र २, ब्रजमोहन १, राजमोहन २।
ब्रजमोहन के वंश नहीं चला।

राजमोहन

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - दौलती - प्रान्त - उन्नाव गये और वहीं बस गये।
राजमोहन के पुत्र २, त्रिवेणीशंकर १,

रामसेवक के वंश नहीं चला।
दुर्गाचरण के पुत्र १, वेणीमाधव १।

वेणीमाधव

यह शांत, संत, सुशील, सब की भलाई चाहने वाले तथा शिव भक्त और धर्मात्मा थे। यह अतिथि सेवी भी थे इन के यहां कोई भी अतिथि आ जाये तो उस की यथा शक्ति सेवा करते थे। इन में त्याग की भावना विशेष थी इन्हों ने धन की तरफ से हमेशा त्याग ही रक्खा धन का महत्व इन्हें बिलकुल नहीं था। यह उदार प्रकृति के थे इन का जन्म सं. १८८५ वि.

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

में हुआ था और इन का स्वर्गवास सं. १९७१ वि. फाल्गुन में हुआ था।

वेणीमाधव के पुत्र ५, अयोध्याप्रसाद १, गोविन्दप्रसाद २, शिवप्रसाद ३, रामप्रसाद ४, शीतलाप्रसाद ५।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र २, हासेवक १, विष्णुसेवक २।

हासेवक

हासेवक के पुत्र २, जटाशंकर १, एवशंकर २।

गोविन्दप्रसाद, शिवप्रसाद और रामप्रसाद के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

प्रीतलाप्रसाद के पुत्र ३, ब्रह्मसेवक १, कृष्णसेवक २, रुद्रसेव
क ३।

ब्रह्मसेवक के पुत्र २, गणेशशंकर १, लक्ष्मीशंकर २।

कृष्णसेवक के पुत्र २, राजशंकर १, प्रेमशंकर २।

दुर्गादास के वंश नहीं चला।

सिद्धमणि के पुत्र ५, वेणीजन १, गंगाप्रसाद २, मथुरानाथ ३,
रामगुलाम ४, सङ्गमलाल ५।

वेणीजन के पुत्र २, जवाहिरलाल १, हीरालाल २।

जवाहिरलाल के पुत्र ३, तारानाथ १, उमानाथ २, शिवना
रायण ३।

तारानाथ के पुत्र २, युगुलकिशोर १, शिवनाथ २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

युगुलकिशोर के वंश नहीं चला।

शिवनाथ के पुत्र २, श्यामनारायण १, श्यामसुंदर २,

श्यामनारायण श्यामसुन्दर के वंश नहीं चला।

उमानाथ के पुत्र १, चण्डिकाप्रसाद १।

चण्डिकाप्रसाद के पुत्र १, सूर्यनारायण १।

सूर्यनारायण के पुत्र १, गङ्गारतन १।

गङ्गारतन के पुत्र १, हरिकृष्ण १।

शिवनारायण के पुत्र १, शिवलाल १।

शिवलाल के पुत्र २, सूर्यबली १, राधाकृष्ण २।

सूर्यबली के पुत्र २, कालिशंकर १, वैजनाथ २।

कालिशंकर के वंश नहीं चला।

राधाकृष्ण के वंश नहीं चला।

हीरालाल के पुत्र २, तीर्थराज १, सूर्यप्रसाद २।

तीर्थराज

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - देहली - पोस्ट - बैंती - प्रान्त - रायबरेली गये उधर वहीं बस गये।

तीर्थराज के पुत्र १, बद्रीनाथ १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वद्रीनाथ के पुत्र १, अयोध्याप्रसाद १।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र २, सत्यनारायण १, महावीरप्रसाद २।

सत्यनारायण के पुत्र २, भगवतीप्रसाद १, दुर्गाशंकर २।

भगवतीप्रसाद के पुत्र १, रजनीकान्त १।

महावीरप्रसाद के पुत्र २, आनंदप्रकाश १, परमानन्द २।

आनन्दप्रकाश के पुत्र १, वृजेन्द्र कुमार (पुत्तन) १।

सूर्यप्रसाद के पुत्र १, काशीदत्त (अपुत्र हे) १।

जीवनप्रसाद

जीवनप्रसाद के पुत्र ३, भूषण १, वहोरन २, कार्शीनाथ ३।

भूषण के पुत्र ४, देवकीनंदन १, हितलाल २, वदनराम ३, हरिकृष्ण ४।

देवकीनंदन के वंश नहीं चला।

हितलाल के पुत्र १, शीतलदीन १।

शीतलदीन के वंश नहीं चला।

वदनराम के पुत्र ४, रामगुलाम १, हरिगोविन्द २, विहारी-लाल ३, हरिलाल ४।

रामगुलाम

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - वाए - प्रान्त - उन्नाव गये और वहीं बस गये ।

रामगुलाम के पुत्र १, शिवरावनलाल १।

शिवरावनलाल के पुत्र ३, भगवानदीन १, तुलसीदीन २, जगन्नाथ ३।

भगवानदीन के पुत्र १, भिखारीलाल १।

भिखारीलाल के पुत्र १, सुदर्शनलाल १।

सुदर्शनलाल के पुत्र २, भवानीसेवक १, चन्द्रिकासेवक २।

भवानीसेवक के पुत्र १, जगदीशनारायण १।

जगदीशनारायण के वंश नहीं चला ।

चन्द्रिकासेवक के पुत्र ३, गिरीशनारायण १, केदारना. थ २, श्रीनाथ ३।

गिरीशनारायण के पुत्र २, एकेशकुमार १, वसंतकुमार २।

केदारनाथ के पुत्र १, एजेन्द्रकुमार १।

तुलसीदीन के पुत्र १, रामनारायण (बसावन) १।

रामनारायण (बसावन) के वंश नहीं चला ।

जगन्नाथ के पुत्र १, बद्रीनाथ १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बद्रीनाथ के पुत्र १, शिवबालक १।

शिवबालक के पुत्र १, गंगानारायण १।

गंगानारायण के पुत्र २, सुरेन्द्रनाथ १, उपेन्द्रनाथ १।

हरिगोविन्द के पुत्र २, साधूलाल १, शालिग्राम २।

साधूलाल के पुत्र ४, सदानंद १, ब्रह्मादीन २, दूबे ३, दुलारे ४।

सदानंद के वंश नहीं चला।

ब्रह्मादीन के पुत्र २, रामसहाय १, शंभूनाथ २।

रामसहाय के पुत्र ३, रामेश्वर १, परमेश्वर २, रामलाल ३।

रामेश्वर के पुत्र २, शिवाधार १, शिवकुमार २।

शिवाधार के पुत्र ३, दयाशंकर १, सूर्यशंकर २, रमाशंकर ३।

दयाशंकर के वंश नहीं चला।

सूर्यशंकर के पुत्र १, प्रेमशंकर १।

शिवकुमार के पुत्र १, भैरवप्रसाद १।

परमेश्वर के पुत्र २, चंदन १, राजकुमार २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

चंदन के वंश नहीं चला।

राजकुमार के पुत्र १, वद्रीप्रसाद १।

रामलाल के पुत्र १, कृष्णाकिशोर (अपुत्र रहे) १।

दूबरि और दुलारे के वंश नहीं चला।

शालिग्राम के पुत्र १, शिवरतनलाल १।

शिवरतनलाल के पुत्र १, शिवराजवली १।

शिवराजवली के पुत्र ५, शिवचरण १, शिवदास २,
शिवप्रकाश ३, शिवकर्ण ४, शिवप्रसाद ५।

शिवचरण के वंश नहीं चला।

शिवदास के पुत्र २, शंकरप्रसाद १, गिरिजाशंकर २।

शंकरप्रसाद के पुत्र २, अशोककुमार १, अनिलकुमार २।

शिवप्रकाश के पुत्र २, कृष्णविहारि (लल्लन) १,
रामविहारि २।

कृष्णविहारि (लल्लन) के पुत्र १, सुनिलकुमार १।

शिवकर्ण के पुत्र २, दुर्गाचरण १, विमलाचरण २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शिवप्रसाद के पुत्र १, केदारनाथ १।

विहारीलाल के पुत्र ६, लक्ष्मणप्रसाद १, माधवप्रसाद २,
प्रयागदत्त ३, वेणीदत्त ४, मोहनलाल ५, ललिताप्रसाद ६।

लक्ष्मणप्रसाद

यह स्थान - सुमेरपुर - प्रान्त - उन्नाव से स्थान - वार्ता प्रान्त - लखीमपुर - खीरी गये और वहीं बस गये।

लक्ष्मणप्रसाद के पुत्र ३, शिवराम १, केहलाल २,
हरिचरण ३।

शिवराम के पुत्र १, लालताप्रसाद १।

लालताप्रसाद के पुत्र ३, वद्रीप्रसाद १, रामनाथ २,
रामविलास ३।

वद्रीप्रसाद के पुत्र ४, मुन्नालाल १, त्रियुगीनारायण २,
शालिग्राम ३, माधवराम ४।

रामनाथ के पुत्र २, गार्गीप्रसाद १, काशीप्रसाद २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

फेरूलाल के पुत्र १, दुर्गाप्रसाद १।

दुर्गाप्रसाद के पुत्र २, रतनलाल १, भगवतीप्रसाद २।

रतनलाल के पुत्र २, मदनलाल १, बाबूराम २।

हरिचरण के पुत्र १, रामचरण १।

रामचरण के पुत्र १, ठाकुरप्रसाद १।

माधवप्रसाद का वंश नहीं चला।

प्रयागदत्त के पुत्र २, शिवदत्त १, गुरुदयाल २।

शिवदत्त के पुत्र १, दुर्गादयाल १।

दुर्गादयाल के पुत्र २, देवीचरण १, गौरीचरण २।

देवीचरण और गौरीचरण के वंश नहीं चला।

गुरुदयाल के पुत्र ३, रघुवंशवली १, सूर्यवली २, चन्द्रवली ३।

रघुवंशवली और सूर्यवली के वंश नहीं चला।

चन्द्रवली के पुत्र २, प्रथम स्त्री से पुत्र १, नरेशनारायण १।

द्वितीय स्त्री से पुत्र १, प्रेमनारायण १।

~ नरेशनारायण ~

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त-उन्नाव से स्थान - दुबेपुर

प्रान्त - रायबेली गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वेणीदत्त के पुत्र १, कालिकाप्रसाद (ललऊ) १।

कालिकाप्रसाद (ललऊ) के पुत्र ५, वेणीसहाय १, गंगासहाय २, चण्डिकाप्रसाद ३, अम्बिकासहाय ४, संकठासहाय ५।

वेणीसहाय के पुत्र १, सिद्धेश्वर (अपुत्र ऐ) १।

गंगासहाय के पुत्र १, सिद्धि गोपाल १।

सिद्धि गोपाल के पुत्र ३, रामविलास १, श्यामाविलास २, (वचन्) २, छोटेलाल ३।

चण्डिकासहाय के पुत्र ४, शिवगोपाल १, जयगोपाल २, वंशगोपाल ३, मदनगोपाल ४।

शिवगोपाल के वंश नहीं चला।

वंशगोपाल के पुत्र १, एकेशकुमार १।

अम्बिकाप्रसाद के पुत्र १, जयकृष्ण १।

संकठासहाय के पुत्र १, शीतलाप्रसाद १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शीतलाप्रसाद के पुत्र १, राजेन्द्रनारायण १।

मोहनलाल के पुत्र ६, वासुदेव १, संगमलाल २, रघुवर-
दयाल ३, शंकरदयाल ४, महावीर ५, शिवसहाय ६।
वासुदेव के पुत्र ४, रामकुमार १, श्यामसुंदर २, गंगाचरण ३,
रामचन्द्र ४।
रामकुमार के पुत्र १, नागेन्द्रनारायण १।
श्यामसुन्दर के पुत्र २, रामस्वरूप १, वृन्दावन २।
गंगाचरण के पुत्र २, दुर्गाप्रसाद १, बद्रीविशाल २,
~~रामचन्द्र के पुत्र १, कृष्णकुमार १~~
कामाक्षाचरण ३, दुर्गाशंकर ४।
रामचन्द्र के पुत्र १, कृष्णकुमार १।
संगमलाल के वंश नहीं चला।
रघुवरदयाल के पुत्र २, शिवनंदन १, यदुनंदन २।
शिवनन्दन के पुत्र २, कालीकुमार १, कालीप्रसाद २।

शंकरदयाल के पुत्र १, गंगाप्रसाद १।

महावीर के पुत्र १, चन्द्रकुमार १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

चन्द्रकुमार के पुत्र ३, राजकुमार १, जयकुमार २, संतकुमार ३।
राजकुमार के पुत्र ३, दुर्गाचरण १, राधाचरण २, राधारमण ३।
जयकुमार के पुत्र २, उमाकांत १, रमाकांत २।

शिवसहाय के पुत्र ३, राजाराम १, राजनारायण २, राजशंकर ३।
राजाराम के पुत्र २, राजेन्द्रकुमार १, पुष्करकुमार २।
राजनारायण के पुत्र १, प्रेमकुमार १।

ललिताप्रसाद के वंश नहीं चला।
हरिलाल, हरिकृष्ण के वंश नहीं चला।

बहोरन

यह स्थान - घुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - कठेरुवा प्रान्त - कानपुर गये।
बहोरन के पुत्र २, हंसराम १, साधोराम (सधई) २।
हंसराम और साधोराम (सधई) के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

जवाहिरलाल
सिद्धगोपाल
गंगाप्रसाद

राधाकृष्ण — लक्ष्मीनारायण

बालकृष्ण, गोपीकृष्ण, कमलकृष्ण, कृष्णचन्द्र

श्रीनारायण, प्रेमनारायण, दयानारायण

नोट - वहोरन बाबा के वंश में हंसराम और साधोराम - अग्रवाल द्वारा 'गार्ड्धार वंश वर्णन' नामक वंशावली - है। ऊपर लिखित वंश वृक्ष उस में लिखा हुआ है वह -

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - शाङ्ग-धर वंश वर्णन

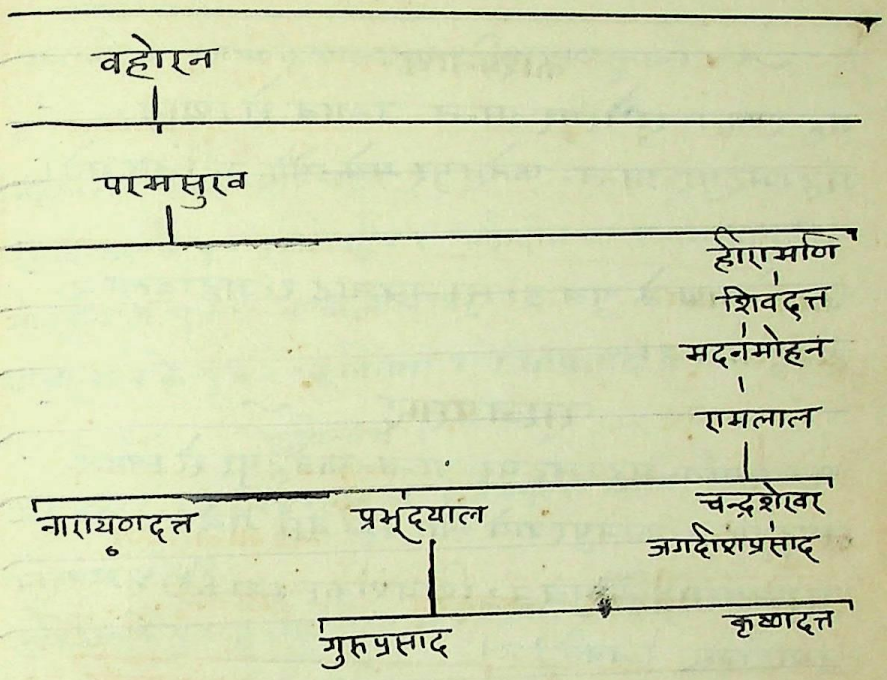

(सधई) के अलावा वंश नहीं चला। स्वर्गीय पं. जयराम जी कृपा हुई में पृष्ठ ३५ के बाद परिशिष्ट वाले पृष्ठ में हाथसे लिखा. असत्य और निराधार है पामसुख का वंश, मेरे वंश में नहीं है।

द. शिवकर्ण अवस्थी स्थान - सुमेरपुर

प्रान्त - उन्नाव

२३ - ११ - ५६

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कार्शीनाथ

यह स्थान - सुमेरपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - महम्मदपुर प्रान्त - फतेहपुर गये और वहीं बस गये।

कार्शीनाथ के पुत्र ३, सूरजप्रसाद १, महावली २, दीनदयाल ३।

सूरजप्रसाद

यह स्थान - महम्मदपुर प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - साद प्रान्त - कानपुर गये और वहीं बस गये।

सूरजप्रसाद के पुत्र २, शिवशंकर (शकी) १, दयाशंकर (वकी) २।

शिवशंकर (शकी) के पुत्र २, शीतलप्रसाद १, यमुनाप्रसाद २।

शीतलप्रसाद के पुत्र १, जगदम्बाप्रसाद १।

जगदम्बाप्रसाद के पुत्र ३, रामस्वरूप १, विष्णु स्वरूप २, भगवानस्वरूप ३।

~~यमुनाप्रसाद के~~ रामस्वरूप के पुत्र १, संतोषकुमार १।

यमुनाप्रसाद के पुत्र २, महावीर १, रामकुमार २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

महावीर के पुत्र २, कृष्णास्वरूप १, नारायणास्वरूप २।

महाबली के वंश नहीं चला।

दीनदयाल के पुत्र ३, गोवर्द्धन १, वर्द्रादीन २, उजागरलाल ३।

गोवर्द्धन के पुत्र १, बाजीलाल १।

बाजीलाल के पुत्र २, छविनाथ १, गंगाप्रसाद २।

छविनाथ

यह स्थान - महम्मदपुर प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - हैदराबाद निजाम गये।

छविनाथ के पुत्र ३, सालिगराम १, ज्वालाप्रसाद २, माताप्रसाद ३।

सालिगराम के पुत्र ३, रहसविहारी १, श्यामविहारी २, विहारीलाल ३।

रहसविहारी के पुत्र २, दयाशंकर (गोद गये माताप्रसाद के) १, कृपाशंकर २।

श्यामविहारी के पुत्र २, देवीप्रसाद १, गोविन्द प्रसाद २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

विहारीलाल के वंश नहीं चला।
ज्वालाप्रसाद के वंश नहीं चला।

~ माताप्रसाद ~

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

माताप्रसाद के पुत्र ३, दयाशंकर (गोद आये) १, लक्ष्मीशंकर २, रमाशंकर ३।

दयाशंकर के पुत्र ३, चन्द्रधर १, शशिधर २, शार्ङ्गधर ३।

बद्रीदीन के पुत्र १, चन्द्रमौलि १।

चन्द्रमौलि के पुत्र १, शिववालकराम २।

शिववालकराम के पुत्र २, विहारीलाल १, भगवतीप्रसाद २।

उजागरलाल के पुत्र १, कालीचरण १।

कालीचरण के पुत्र १, नर्मदाप्रसाद १।

नर्मदाप्रसाद के पुत्र १, मूलचंद १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

झुमका के पुत्र ४, राजीवनयन १, मुन्नीलाल २, वेनीमाधौ ३, रामप्रसाद ४।

राजीवनयन

यह स्थान-बनवरिया प्रान्त-गोंडा से स्थान-महम्मदपुर प्रान्त-फतेहपुर गये और वहीं बस गये।

राजीवनयन के पुत्र १, शिवगोपाल १।

शिवगोपाल के पुत्र ५, गोकरनदीन १, चंदीदीन २, शिवचरण ३, रामचरण ४, मन्नीलाल ५।

गोकरनदीन के पुत्र १, अम्बिकाप्रसाद (बब्बू) १।

अम्बिकाप्रसाद (बब्बू) के पुत्र ३, गयादीन १, सेवादीन २,

गयादीन के पुत्र २, श्यामबिहारी १, रामबिहारी २।

चंदीदीन के पुत्र २, सुखदीन १, मनरखन २।

सुखदीन के पुत्र १, चंदीदीन १

मनरखनलाल के पुत्र १, पुत्तूलाल १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

पुत्तूलाल

यह स्थान - महम्मदपुर प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - हसौं प्रान्त - फतेहपुर गये।

पुत्तूलाल के पुत्र २, परशुराम १, रामग्रीतार २।

परशुराम के पुत्र ४, रामराज १, रामसुरेव २, रामकिशोर १, रामकृष्ण ४।

रामग्रीतार के पुत्र २, रामकुमार १, रामतनय २।

शिवचरण और रामचरण के वंश नहीं चला।

मन्नीलाल के पुत्र २, जगन्नाथ १, भगवानदीन २।

जगन्नाथ के पुत्र २, छेदालाल १, बाबूलाल २।

छेदालाल के पुत्र १, रजाराम १।

रजाराम

यह स्थान - महम्मदपुर प्रान्त - फतेहपुर से स्थान - विन्दकी प्रान्त - फतेहपुर गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain, Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भगवानदीन के पुत्र ४, देवीदयाल १, छोटाप्रसाद २,
बालाप्रसाद ३, लालाप्रसाद ४।
देवीदयाल के पुत्र ३, शंकरदयाल १, रघुवरदयाल २,
रघुवरचन्द ३।
छोटाप्रसाद के वंश नहीं चला।
बालाप्रसाद के पुत्र २, सोहनलाल १, कृष्णचन्द्र २।
लालाप्रसाद के वंश नहीं चला।
मुन्नीलाल और वेनीमाधव के वंश नहीं चला।
एमप्रसाद के पुत्र २, कामताप्रसाद १, ग्राशदीन २।
कामताप्रसाद के वंश नहीं चला।
ग्राशदीन के पुत्र १, शिवसागर १।
शिवसागर के पुत्र १, नंदकिशोर १।
नंदकिशोर के पुत्र ४, एमशंकर १, मोहनलाल २,
मनोहरलाल ३, कृपाशंकर ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - शाङ्घ वंश वर्णन

सवसुख - स्थान - डिघौर - प्रान्त - एयबरेली

साहूप्रसाद

जियाप्रसाद

शिवराम	रघुवीरप्रसाद
लक्ष्मीनारायण	रामग्रीताए
रामरावन	उमाशंकर
रामनिधि	हरिशंकर

रामरावन का विवाह स्थान - सलेथू प्रान्त - एयबरेली में घर - वास के दुबे के यहां हुआ ।

उमाशंकर का प्रथम विवाह चत्त् के तिवारी के यहां स्थान - सनकामऊ प्रान्त - एयबरेली में हुआ ।

द्वितीय विवाह स्थान - शिवपुरी जोगाओं में जोगाओं के पाड़े के यहां हुआ ।

नोट - सवसुख यह नाम मेरे वंश परम्परा में नहीं था इस लिये हमारे वंश का घर स्थान - डिघौर प्रान्त - एयबरेली में कोई नहीं है । द. शिवकर्ण अवस्था सुमेरपुर

२३ - ११ - ५६

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उमराव अग्निहोत्री

कालीचरण

किशोरीलाल द्वारिकाप्रसाद

इन के बाबा का नाम उमराव अग्निहोत्री है। स्थान-नगरिया प्रान्त-बेरलि के रहने वाले हैं और यह मार्टिन कंपनी नं. ६ — क्लाइव स्ट्रीट कलकत्ता में नौकर थे। इसी कम्पनी में शुकदेव विहारी दीक्षित भी नौकर थे, इन का और उमराव अग्निहोत्री का बहुत घनिष्ठ साथ था कठारा वालों के रोकने पर भी शुकदेवविहारी दी ने अपनी लड़की उमराव अग्निहोत्री को व्याह दी।

मा. सूर्यकुमार अवस्थी स्थान-कठारा प्रान्त-कानपुर

नोट - स्थान-सुमेरपुर के वंश परम्परा में कालीचरण और उन के पुत्र किशोरीलाल द्वारिकाप्रसाद कोई नाम नहीं है

द. शिवकर्ण अवस्थी स्थान-सुमेरपुर

प्रान्त. उन्नाव. २३-११-५६

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - संतोषमणि वंश-वर्णन

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

संतोषमणि के पुत्र १, साधोराम १।

साधोराम के पुत्र ६, भावनाथ १, टेकनाथ २, सुखना-
थ ३, धनीराम ४, शिवप्रसाद ५, रामप्रसाद ६।

भावनाथ

यह स्थान - बनवरिया - प्रान्त - गोंडा से स्थान -
नवल - प्रान्त - कानपुर गये और वहीं बस गये।

भावनाथ के पुत्र ६, लालन १, बृजलाल २,
अच्युतानंद ३, सोधे ४, रघुवीर ५, रूपनाथ
(रुपई) ६।

लालन के पुत्र १, मोहनलाल १।

मोहनलाल के पुत्र ३, श्रीकृष्ण १, विश्वनाथ २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

मंगली प्रसाद ३।

श्रीकृष्ण के पुत्र ८, महानंद १, झाऊलाल २, दुर्गादीन ३, चंदीप्रसाद ४, शिवनन्दन ५, देवीचरण ६, मुन्नूलाल ७, गोपाल ८।

महानंद के पुत्र ३, भैरवप्रसाद १, एमसनेही २, गजाधरप्रसाद ३।

भैरवप्रसाद के पुत्र १, वैजनाथ १।

बैजनाथ

यह स्थान - नरवल प्रान्त - कानपुर से स्थान - नारायणदास खेरा प्रान्त - उन्नाव गये ।।

वैजनाथ के पुत्र १, गोपीनाथ १।

गोपीनाथ

यह स्थान - नारायणदास खेरा प्रान्त - उन्नाव से स्थान - मु० कंधारी बाजार लखनऊ गये ।।

गोपीनाथ के पुत्र ४, चन्द्रभाल १, चन्द्रधर २, चन्द्रशेखर ३, शिवकुमार ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

चन्द्रभाल

"सेवा धर्म परम गहनो योगिना मप्य गम्य:"

यह शांत, संत, सदाचारी और धर्मिष्ठ, रामायण व गीता के अनन्य भक्त हैं। रामायण व गीता का इन को बहुत सा भाग कंठस्थ है। अतिथि व साधु-संन्यासियों की उदार चित्त से सेवा-शुश्रूषा करते हैं। इन के यहां अक्सर प्रसिद्ध साधु-संन्यासी आया जाया करते हैं।

चन्द्रभाल के पुत्र १, कृष्णप्रेम १।

चन्द्रधर के पुत्र ३, ब्रजमोहन १, मनमोहन २ आनन्दमोहन ३।

चन्द्रशेखर शिवकुमार के वंश नहीं चला।

रामसनेही के पुत्र ३, विश्वेश्वर १, परमेश्वर २, रामेश्वर ३।

विश्वेश्वर परमेश्वर के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

एमेश्वर के पुत्र ५, कार्तिप्रसाद १, दुर्गाप्रसाद २, देवीशंकर ३, लक्ष्मीनारायण ४, कृष्णशंकर ५।

कार्तिप्रसाद के पुत्र २, जगन्नाथ १, गिरिशदत्त २।

दुर्गाप्रसाद के पुत्र १, विजयशंकर १।

देवीशंकर के वंश नहीं चला।

गजाधरप्रसाद के पुत्र १, जगन्नाथ १।

जगन्नाथ के पुत्र १, शुकदेव १।

शुकदेव के पुत्र २, एमनाथ १, बच्चूलाल २।

~ बच्चूलाल ~

यह स्थान - नावल प्रान्त - कानपुर से स्थान - चाटमपुर प्रान्त - कानपुर गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भाऊलाल के पुत्र ३, सेवकराम १, शिवचरण २, शिवबर्ती ३।

सेवकराम के पुत्र १, बाबूराम १।

शिवचरण

यह स्थान-नरवल-प्रान्त-कानपुर से स्थान-मौरांवां-प्रान्त-उन्नाव गये।

शिवचरण के पुत्र २, रामचरण १, हरिचरण २।

रामचरण के पुत्र १, लालविहारी १।

लालविहारी के पुत्र ४, श्यामाकांत १, लक्ष्मीकांत २, पद्माकान्त ३, मायाकान्त ४।

हरिचरण के पुत्र ४, शुकदेव १, रामदेव २, जयदेव ३, जयदयाल ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शुकदेव के पुत्र २, प्रीकान्त १, शिवाकान्त २।

जयदेव के पुत्र १, एमाकान्त १।

जयदयाल के पुत्र १, कमलाकान्त १।

दुर्गादीन, चंदीप्रसाद के वंश नहीं चला।

शिवनन्दन के पुत्र १, महावीर १।

महावीर के वंश नहीं चला।

देवीचरण के वंश नहीं चला।

मुन्नूलाल के पुत्र १, भोलानाथ १।

भोलानाथ के पुत्र १, शिववकस १।

शिववकस के वंश नहीं चला।

गोपाल के पुत्र ४, शिववालक १, छोटेलाल २,

पञ्चाल ३, एमनाथ ४।

शिववालक

यह स्थान - नरवल प्रान्त - कानपुर से स्थान -

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

झाऊपुरवां प्रान्त ---------- गये ।

छोटेलाल के पुत्र २, रामचन्द्र १, बलदेव २।
रामचन्द्र के पुत्र २, राजकिशोर १, रामकिशोर २।

बलदेव के पुत्र १, रामकृष्ण १।
रामकृष्ण के वंश नहीं चला।

पञ्चाल

यह स्थान-नरवल प्रान्त-कानपुर से स्थान-रावतपुर साई (बिन्दकी के पास) प्रान्त-फतेहपुर गये।

पञ्चाल के पुत्र ३, उमराव १, मनियां २, गोकुलप्रसाद ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामनाथ

यह स्थान - नरवल प्रान्त - कानपुर से स्थान - इटर्रा - परगना - घाटमपुर प्रान्त - कानपुर गये।

विश्वनाथ के पुत्र १, गोविन्देलाल १।

गोविन्देलाल के पुत्र १, अयोध्याप्रसाद १।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र १, भगवानदीन १।

भगवानदीन के पुत्र १, रामचरण (पुत्र) १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामचरण (पुत्ता) के पुत्र १, गंगाविष्णु (माना) १।

गंगाविष्णु (माना) के वंश नहीं चला।

मंगलीप्रसाद के पुत्र १, दुलारेलाल १।

दुलारेलाल के पुत्र ३, जयराम १, सीताराम २,

बलराम ३।

जयराम के पुत्र ४, गौरीशंकर १, गंगानारायण-

२, यमुनानारायण ३, गयानारायण ३।

गौरीशंकर के पुत्र ३, सूर्यनारायण १, रामनारा-

यण २, जगदीशनारायण ३।

सूर्यनारायण के वंश नहीं चला।

रामनारायण के पुत्र १, अरुणनारायण १।

जगदीशनारायण के पुत्र २, अवधेशनारायण

१, राकेशनारायण २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

यमुनानारायण के पुत्र २, श्रीनारायण १,
सरयूनारायण २।

गयानारायण के पुत्र १, नरेन्द्रनाथ १।

सीताराम के पुत्र २, मथुराप्रसाद १, मनोहर-
प्रसाद २।

मथुराप्रसाद के पुत्र २, काशीनाथ १, प्रागा-
दत्त २।

काशीनाथ के पुत्र १, आनन्दप्रकाश १।

प्रागादत्त के वंश नहीं चला।

मनोहरप्रसाद -

बलराम के पुत्र २, रामशंकर १, सिद्धुगोपाल २।

रामशंकर के पुत्र १, श्यामसुन्दर १।

श्यामसुन्दर के वंश नहीं चला।

सिद्धुगोपाल के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वृजलाल के पुत्र ६, गंगाप्रसाद १, गयाप्रसाद २, ठाकुरप्रसाद ३, त्रिलोचन ४, मिश्रीलाल ५, सरयूप्रसाद ६।

गंगाप्रसाद के पुत्र ३, बलदेवप्रसाद १, झाऊलाल २, शुकदेवप्रसाद ३।

बलदेवप्रसाद के पुत्र १, लक्ष्मण १।

लक्ष्मण के पुत्र १, महाबीर १।

महाबीर के वंश नहीं चला।

झाऊलाल के पुत्र २, बिहारीलाल १, ज्वालाप्रसाद २।

बिहारीलाल के वंश नहीं चला।

ज्वालाप्रसाद के पुत्र १, सिदुनाथ १।

सिदुनाथ के पुत्र २, देवीप्रसाद १, देवीदत्त २।

देवीप्रसाद के पुत्र १, कैलाशनाथ १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

देवीदत्त के पुत्र ३, प्रकाशनारायण १, तेजनारायण २, सुरेन्द्रनारायण ३।

गयाप्रसाद के पुत्र २, शिवशंकर १, कालीदीन २।
शिवशंकर कालीदीन के वंश नहीं चला।

ठाकुरप्रसाद के पुत्र ३, एमनाथ १, रघुनाथ २, चेतनाथ ३।

एमनाथ के पुत्र २, बेनीप्रसाद १, नंदकिशोर २।

बेनीप्रसाद के पुत्र २, गार्गीदीन १, एवलदीन २।

गार्गीदीन एवलदीन के वंश नहीं चला।

नंदकिशोर के पुत्र २, एमलाल १, ब्रजमोहनलाल २।

एमलाल के वंश नहीं चला।

ब्रजमोहनलाल के पुत्र ३, राधाचरण १,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

राधेश्याम २, राधामोहन ३।

राधाचरण के पुत्र १, सोमेश्वर १।

राधेश्याम के पुत्र २, वद्रीप्रसाद १, केदारनाथ २।

राधामोहन के पुत्र २, जागेश्वर १, राजकुमार २।

रघुनाथ के वंश नहीं चला।

चेतनाथ के पुत्र १, वालमुकुन्द १।

वालमुकुन्द के वंश नहीं चला १

शुकदेवप्रसाद

यह स्थान - नरवल प्रान्त - कानपुर से स्थान - मौजमावाद * प्रान्त - फतेहपुर गये।

शुकदेवप्रसाद के पुत्र ४, गयाप्रसाद १।

---

* — मौजमावाद — सं. १७६६ विक्रमीय में मौजमाबों ने इसे वसाया था।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

आनन्दीप्रसाद २, दुलारेलाल ३, शिवदत्त ४।

गयाप्रसाद

यह स्थान - मौजमावाद - प्रान्त - फतेहपुर से - स्थान - अम्बाए - प्रान्त - रायबरेली गये।

गयाप्रसाद के पुत्र ३, हरदत्तप्रसाद १, रामनारायण २, रामाधीन ३।

हरदत्तप्रसाद के पुत्र २, रामरावन १, बेनीप्रसाद २।

रामरावन के पुत्र १, शिवअधार १।

शिवअधार

यह स्थान - अम्बाए - प्रान्त - रायबरेली से स्थान - उबरनी - प्रान्त - रायबरेली गये।

शिवअधार के पुत्र २, शिवशंकर १, शिवसागर २।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामनारायण के पुत्र २, शीतलप्रसाद १, शिवचन्द्र २।
शीतलप्रसाद के पुत्र ६, प्रथम स्त्री से पुत्र २, चन्द्र-
मोहन १, चन्द्रमणि २। द्वितीय स्त्री से पुत्र ४,
चन्द्रमौलि १, चन्द्रनाथ २, चन्द्रकिशोर ३,
श्रीकृष्ण ४।

चन्द्रमोहन के वंश नहीं चला।

चन्द्रमणि के पुत्र ३, शिवकुमार १, कृष्णकुमार २,
लक्ष्मीकुमार ३।

आनन्दीप्रसाद के पुत्र २, देवीचरण १, दुर्गाचरण २।

देवीचरण के वंश नहीं चला।

दुर्गाचरण के पुत्र २, शिवाकान्त १, पूर्णानन्द २।

शिवाकान्त के पुत्र २, कृपाशंकर १, प्रेमशंकर २।

दुलारेलाल के पुत्र १, गिरिजाचरण १।

गिरिजाचरण के पुत्र २, गङ्गाधर १, श्रीधर २।

शिवदत्त के पुत्र १, शिवकुमार १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

त्रिलोचन

सूर्यश्च चन्द्रश्च विभा वसुश्च
देवास्त्रयो जस्य विलोचनानि ।
त्रिलोचनो नाम स देव देवो
बभूव विद्वान् क्षिति देव देव: ॥

यह स्थान- नावल प्रान्त- कानपुर से स्थान — विगहपुर प्रान्त- उन्नाव गये और वहीं बस गये ॥

संस्कृत के यह अच्छे सुयोग्य पंडित थे। इन्हों ने बहुत से ब्राह्मणों को निः शुल्क संस्कृत पढ़ा कर योग्य पंडित बनाया। त्याग का इन में विशेष भाव था। मरण समय निकट जान कर यह स्वयं गङ्गा जी के किनारे चले गये। और ब्राह्मण भोजन आदि कर्मों से निवृत हो कर अपना शरीर त्याग कर दिया ॥

त्रिलोचन के पुत्र ३, विश्वेश्वर १, शिवनारायण २, युगुलकिशोर ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

विश्वेश्वर के पुत्र २, रामेश्वर १, गङ्गाधर २।
रामेश्वर के वंश ~~नहीं चला~~ पटना है
गङ्गाधर के पुत्र ५, चन्द्रभाल १, कुञ्जविहारी २,
हरगोविन्द ३, चन्द्रमौलि ५।
चन्द्रभाल के पुत्र ३, रामविहारी १, श्यामविहारी २,
शिवविहारी ३।

कुञ्जविहारी के पुत्र १, कृष्णविहारी १।
कृष्णविहारी के पुत्र २, मनोहरलाल १, कृष्णकान्त २।

हरगोविन्द

यह स्थान - विग्रहपुर परगना - उन्नाव से स्थान -
हरवंशमुहाल - कानपुर गये।
हरगोविन्द के पुत्र ३, हरिशंकर १, धन्वन्तरि २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बुद्धिसागर ३।

शिवनारायण के पुत्र ४, शिवगोपाल १, चन्द्रशेख-
र २, सिद्धगोपाल ३, महेश्वर ४।

शिवगोपाल के पुत्र १, शिवाकान्त १।

शिवाकान्त

यह स्थान- बिगहपुर प्रान्त- उन्नाव से मु०-
रायबेली गये।

शिवाकान्त के पुत्र १, श्यामाचरण १।

चन्द्रशेखर के पुत्र २, अवधविहारी १, हरकिशोर २।
अवधविहारी हरकिशोर के वंश नहीं चला।

सिद्धगोपाल के पुत्र ३, शंकरचरण १, कल्याणशंकर २,
गिरिजाशंकर ३।

शंकरचरण

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

यह स्थान - विग्रहपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - नारायनगंज प्रान्त - ढाका गये इन के वंश नहीं चला।

करुणाशंकर

यह स्थान - विग्रहपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - चिलौली प्रान्त - उन्नाव गये।

करुणाशंकर के पुत्र २, चन्द्रचूड़शंकर १, मेशशंकर १ २।

गिरिजाशंकर के वंश नहीं चला।

महेश्वर

यह स्थान - विग्रहपुर प्रान्त - उन्नाव से स्थान - बिलासपुर सी. पी. गये इन के वंश नहीं चला।

मुकुलकिशोर के पुत्र १, शिवरतनलाल १।

शिवरतनलाल के वंश नहीं चला।

मिश्रीलाल, सरयूप्रसाद के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ज्ञानवापी - प्रभाकर - उदयनाथ - संतोषमणि

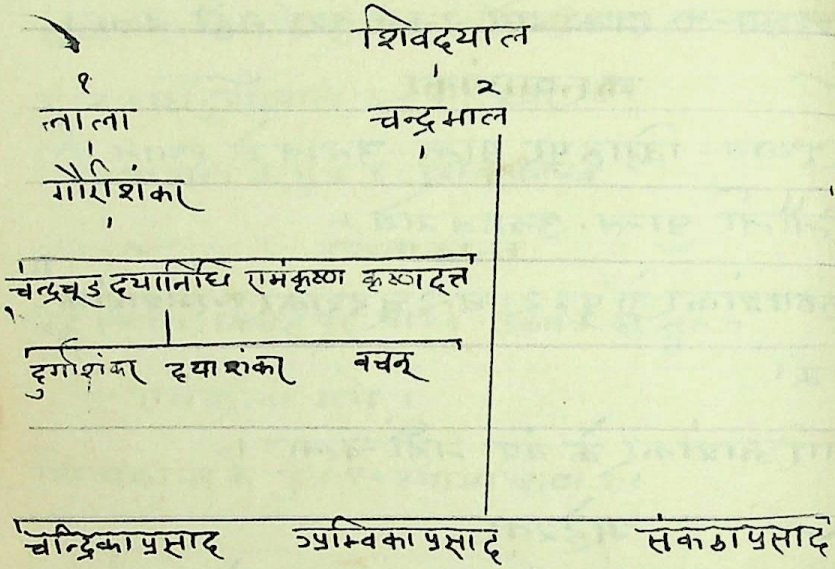

संकठाप्रसाद का विवाह एवार के गाड़ेन के यहां स्थान.

गौतमगांव प्रान्त - रायबरेली में हुआ।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रूपनाथ (रुपई) के पुत्र १, जिवरावन १।

जिवरावन के पुत्र २, महासुख १, सदासुख २।

महासुख के पुत्र १, रामबकस १।

रामबकस के पुत्र २, गंगाबकस १, गंगासेवक २।

गंगाबकस के पुत्र ३, बलभद्र १, राधाकृष्ण २, —

उमाशंकर ३।

बलभद्र, राधाकृष्ण, उमाशंकर के वंश नहीं चला।

गंगासेवक के पुत्र ७, चन्द्रशेखर १, दुर्गाचरण २,

देवीसहाय ३, सूर्यनारायण ४, हरिहर ५, रामेश्वर ६,

शिवमङ्गल ७।

चन्द्रशेखर के पुत्र २, जगन्नाथ १, मानप्रसाद २।

दुर्गाचरण के पुत्र ५, प्रयागनारायण १, सत्यनारायण २, रुद्रनारायण ३, विमलनारायण ४ —

गोपालनारायण ५।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सूर्यनारायण के पुत्र ३, वद्रीनारायण १, विनोदनारायण २, ज्ञानन्दनारायण ३।

हरिहर के पुत्र ३, लक्ष्मीनारायण १, शिवनारायण २, संतोषनारायण ३।

रामेश्वर के पुत्र ३, सतीन्द्रनारायण १, राजेन्द्रनारायण २, वेदनारायण ३।

शिवमङ्गल के पुत्र १, पुरुषोत्तमनारायण १।

सदासुख के पुत्र १, सहदेव १।

सहदेव के पुत्र १, गोकुलप्रसाद १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

महर्षि उपमन्यु वंश का इतिहास

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

टेकनाथ के पुत्र ५, दत्तराम १, राधेलाल २, ध्रुवर ३, हरिनाथ ४, युगुलकिशोर ५।

दत्तराम के पुत्र २, सुवंश १, छविनाथ (छव्वा) २।

सुवंश के पुत्र १, मदारीलाल १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

छविनाथ (छव्वा)

यह स्थान - वनवरिया ग्रांत - गोंडा से स्थान — छव्वा पुरवा प्रान्त गोंडा को सरयू नदी के किनारे बसाया और वहीं बस गये। कुछ दिन उपरान्त सरयू नदी में बाढ़ आने के कारण छव्वा पुरवा बाढ़ में नष्ट और उजड़ हो गया। इस कारण इन के कुछ घर पीलीभीत प्रान्त में, कुछ घर बहराइच व बाराबंकी प्रान्त में बसे हुए हैं।

छविनाथ (छव्वा) के पुत्र २, बाजीलाल १, शिवचरण २।

बाजीलाल के पुत्र १, संकठाप्रसाद १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

पीलीभीत प्रान्त का वंश

हरनारायण, वृजनारायण उपवर्त्ती मु० चौक - पीलीभीत।

देवनारायण, शिवनारायण उपवर्त्ती पिता का नाम -

लल्लू उपवर्त्ती - स्थान - नौगमियां, अकोड़ा, बिसल्ल.

पुर - प्रान्त - पीलीभीत। -

रामलाल, श्रीराम, रामगोपाल, बलराम, कृष्ण,

शिवनारायणलाल, रामभजन, रामसनेही उपवर्त्ती।

स्थान - खरदहया प्रान्त. पीलीभीत।

श्यामाचरण उपवर्त्ती।

स्थान - मौरी टोक प्रान्त. पीलीभीत।

नारायणलाल
|
राजाराम
|
भूषणलाल
|
छोटेलाल
|
शिवसागरलाल — जयनारायण

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

महर्षि उपमन्यु वंश का इतिहास

स्थान - शंभुना प्रान्त - पर्लामति

मूलचन्द

|

भवानीप्रसाद

|

रामेश्वरदयाल

|

रामभरोसे | चन्द्रपाल | चन्द्रनाथ

स्थान - विथियापुर प्रान्त - बाराबंकी स्टेशन - फतेहपुर

गाव्राम प्रवासी

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

---

१ घोलाल . . . . . .

रघुवर . . . . . .

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

हरिनाथ

यह स्थान - बनवरिया प्रान्त - गोंडा से स्थान - गंगाधा प्रान्त - कानपुर गये और वहीं बस गये।

हरिनाथ के पुत्र १, मदनगोपाल १।

मदनगोपाल

यह स्थान - गंगाधा - प्रान्त - कानपुर से स्थान - खैरौली प्रान्त - उन्नाव गये और वहीं बस गये। इन का विवाह स्थान - विगहपुर प्रान्त - उन्नाव में वेनीप्रसाद शुक्ल के यहां हुआ था। वेनीप्रसाद शुक्ल ने स्थान — कुंवरपुर (स्टे० अटरिया) प्रान्त - सीतापुर में इन को ३० बीघा खेत बिना लगानी (माफी) दी थी।

वेनीप्रसाद शुक्ल के न रहने के पश्चात् कुंवरपुर के ठाकुर ने उस जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। इन के पुत्र शिवदत्त से ठाकुर ने कहा -

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कि आप यह जमीन छोड़ दीजिये हम आप को दूसरी जमीन देंगे। इन्हों ने कहा - कि हम अपनी ही जमीन लेंगे, दूसरी जमीन की हमें आवश्यकता नहीं है।

शिवदत्त ने ठाकुर से कहा कि नाना हमें संकल्प कर के यह जमीन दे गये हैं, वैसे ही संकल्प कर के आप अपनी जमीन वापस ले लें। ठाकुर के बेनीप्रसाद शुक्ल गुरु थे उन्हीं को यह जमीन मिली थी। ठाकुर ने इन से कहा कि बिना लगानी (माफी) जमीन हम शुक्ल जी को दी थी अब उन के न रहने के पश्चात् आप उस जमीन पर कब्जा न करियेगा। तब शिवदत्त इतने ही में उठ कर चल दिये और वहां से चल कर एक मंदिर जो कि जंगल में था ठहर गये। प्रातःकाल होते ही ग्राम धौरहरा में बिसेनियों के यहां ठहर गये। धौरहरा के ठाकुरों से अपना सब हाल कहा। यह बात कुंवरपुर वाले ठाकुरों (पंवार) को बहुत कष्ट दायक प्रतीत हुई, और उन्हों ने शिवदत्त को आदर सहित हाथी भेज कर

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

वापस आनेकी प्रार्थना की। शिवदत्त ने कहा कि जहां हमारा अपमान हुआ है वहां हम नहीं जायेंगे। पंवारों और खीचियों की पुरानी कुछ आपसी वैमनस्यता थी। इस लिये इन को यह बहुत बुरी मालूम हुई और खीचियों के ऊपर धावा बोल दिया। खीची थोड़ी संख्या में थे और पंवारों की संख्या बहुत थी इस लिये खीची हार गये। जो खीचियों के ३०-ग्राम थे उन पर पंवारों का कब्जा हो गया। जो थोड़े से खीची संग्राम में बच गये थे वह शिवदत्त की शरण में गये और उन से कहा कि आप अब हमारी रक्षा कीजिये। तब शिवदत्त ने कहा कि हम तुम्हारी रक्षा करेंगे, फिर इन्हों ने ग्राम के बाहर स्थान बनवा कर दुर्गा जी की आराधना प्रारंभ की। ७ दिन और रात उसी कोठरी में बंद रहे, ७ दिन के बाद इन की कामना सिद्ध हुई और खीचियों से कहा कि तुम्हारी कामना पूरी होगी। उस के बाद अंग्रेजी सल्तनत शुरू हो गई थी और फौज

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

का इन्तिजाम जगह जगह हो रहा था उसी समय में अंग्रेजों का दौड़ा उधर हुआ। ब्राह्मणों के जो ३० ग्राम पंचायत ने छीन लिये थे उन से दिलाये गये, फिर ३० ग्रामों में ब्राह्मणों का कब्जा हो गया। तब शिवदत्त से प्रार्थना की कि आप ३० ग्रामों में से एक ग्राम जो चाहें वह ले लें, लेकिन इन्हों ने ग्राम लेने से इनकार कर दिया और कहा कि हमें ग्राम लेने की क्या आवश्यकता है हमारी जमीन तो सिर्फ ३० बीघा गई है उस से ज्यादा हम न लेंगे। फिर ब्राह्मणों ने सहित प्रार्थना के ६० बीघा जमीन प्रदान की।

कुछ दिन के उपरान्त गंगा बक्स सिंह के पिता ने ८४ बीघा जमीन बिना लगानी (मार्फी) दी। एक हिस्सेदार ने ।) का हिस्सा एक मुसलमान के हाथ बेच डाला उसी में इन की जमीन ५८ बीघा मुहाल ।) में निकल गई। मुसलमान जमींदार इस पर काबिज हुए। उन्हों ने शिवदत्त को बुला कर कहा कि आप

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

हमारे दरवाजे भोजन बना कर खाइये तो हम ग्राप को जो ५८ बीघा माफी है वह वापस कर देंगे। तब शिवदत्त ने लेने से इनकार कर दिया और ५८ बीघा जमीन को त्याग दिया।

मदनगोपाल के पुत्र २, शिवदत्त १, विद्याभूषण २।

शिवदत्त के पुत्र ३, उर्वीधर १, मुरलीधर २, विश्वेश्वर ३

उर्वीधर के पुत्र २, शिवकंठ १, जगन्नाथ २।

शिवकंठ के पुत्र २, ग्रानन्दमाधव १, भगवतीप्रसाद २।

भगवतीप्रसाद के पुत्र २, इन्द्रकुमार १, चंद्रकुमार २।

मुरलीधर का वंश नहीं चला।

विश्वेश्वर

इन्हों ने सन्यास ले लिया।

विश्वेश्वर के पुत्र २, लक्ष्मीचन्द्र १, दयाशंकर

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

लक्ष्मी चन्द्र के पुत्र ३, चक्रपाणि १, शिवकुमार २,

रामकुमार ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

महर्षि उपमन्यु वंश का इतिहास

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

सुखनाथ के पुत्र ५, केदारनाथ १, बांकेविहारी २, श्रीकृष्ण ३, चतुर्भुज ४,

केदारनाथ

यह स्थान - महाराजनगर प्रान्त - कानपुर से स्थान - मनोहा - प्रान्त - कानपुर गये, कुछ दिन उपरान्त यह स्थान - कटरा (सालपुर के पास) प्रान्त सीतापुर गये और वहीं सम्बन्ध कर के बस गये।

केदारनाथ के पुत्र ३, प्रथम स्त्री से पुत्र १, तुलसीराम १, द्वितीय स्त्री से पुत्र २, जानकी प्रसाद १, ज्वाला प्रसाद २।

तुलसीराम के पुत्र ५, रामसहाय १, शिवदत्त २, ब्रह्मा ३, मुन्नूलाल ४, गंगई ५।

रामसहाय के पुत्र १, वार्णाविलास १।

वार्णाविलास के पुत्र ४, बालदत्त १, कृष्ण २, दुलारे ३, छोटेलाल ४।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बालदत्त, कृष्ण और दुलारे के वंश नहीं चला।

छोटेलाल के पुत्र ३, लक्ष्मीनारायण १, रामप्रासरे २, रामभरोसे ३।

शिवदत्त का वंश नहीं चला।

ब्रह्मा के पुत्र १, बिन्दाप्रसाद १,

बिन्दाप्रसाद के पुत्र १, रामदेव १।

रामदेव

यह स्थान - मनोहर - प्रान्त - कानपुर से स्थान — महराजनगर प्रान्त - कानपुर गये इन के वंश नहीं चला।

मुन्नूलाल के पुत्र ३, गोकरन १, लल्लू २, जगधर विहारी ३।

गोकरन के पुत्र २, महादेव १, शीतलप्रसाद २।

महादेव

यह स्थान - मनोहर - प्रान्त - कानपुर से स्थान —

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ संतोषमणि वंश वर्णन

पचलिया प्रान्त - एवीं - लवीमपुर गये।

महादेव के पुत्र २, वैजनाथ १।

वैजनाथ के पुत्र १, गयाप्रसाद १।

शीतलप्रसाद का वंश नहीं चला।

ज्ञानकीप्रसाद के पुत्र २, माधौराम १, गणेशप्रसाद २।

माधौराम के पुत्र ३, महेश १, विश्वेश्वर २, वच्चूराम ३।

महेश और विश्वेश्वर के वंश नहीं चला।

वच्चूराम के पुत्र २, कालिकाप्रसाद १, सरयूप्रसाद २।

कालिकाप्रसाद के वंश नहीं चला।

सरयूप्रसाद के पुत्र ३, एमशंकर १, छोटेलाल २,

एमएसे ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

ज्वालाप्रसाद के पुत्र २, मुन्नाम १, कालीप्रसाद २।

मुन्नाम के पुत्र १, गयादीन १।

गयादीन

यह स्थान - कटरा प्रान्त - सीतापुर से स्थान —

हरदत्तपुरवा (थानगांव के पास) प्रान्त - सीतापुर गये।

बांकेलाल

यह स्थान - महराजनगर प्रान्त - कानपुर से स्थान -

दलीपनगर प्रान्त - कानपुर गये।

बांकेलाल के पुत्र १, अयोध्याप्रसाद १।

अयोध्याप्रसाद के पुत्र २, रामप्रसाद १, हनुमानप्रसाद २।

रामप्रसाद के पुत्र १, भैरोंप्रसाद १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

भैरोंप्रसाद

यह स्थान - दर्लापनगर प्रान्त - कानपुर से मु० शहाद - तगंज - लखनऊ गये और वहीं बस गये।

भैरोंप्रसाद के पुत्र १, गौरीशंकर (बाबूराम) १।

गौरीशंकर (बाबूराम) के पुत्र १, ज्ञानप्रकाश (महादेव) १।

हनुमानप्रसाद के पुत्र १, मन्नालाल १।

श्रीकृष्ण

यह स्थान - महराजनगर प्रान्त - कानपुर से स्थान - लवानी - प्रान्त - उन्नाव गये और वहीं बस गये।

श्रीकृष्ण के पुत्र ३, बैजनाथ १, कार्तीप्रसाद २, सीता-राम ३।

बैजनाथ के पुत्र ३, गंगादीन १, रामदुलारे २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामलाल ३।

गंगादीन के पुत्र ३, शिवराम १, शिवदयाल २, शिवाधार ३।

शिवराम के पुत्र १, रामरतन १।

रामरतन के पुत्र २, वद्रीप्रसाद १, चन्द्रिकाप्रसाद २।

चन्द्रिकाप्रसाद के पुत्र १, दिनेशचन्द्र १।

शिवदयाल के पुत्र १, ईश्वरदीन १।

ईश्वरदीन के वंश नहीं चला।

शिवाधार के पुत्र १, जागेश्वर १।

जागेश्वर के पुत्र २, शिवलाल १, शिवदत्त २।

रामदुलारे के पुत्र ३, सांवलेप्रसाद १, श्यामसुंदर २, मदनमोहन ३।

सांवलेप्रसाद के पुत्र ३, राधारमण १, रामभद्र २, शिवकुमार ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

राधारमण के पुत्र ६, ऋषिकुमार १, श्रीकान्तनाथ २, उमानाथ ३, वैकुंठनाथ ४, ज्ञानेन्द्र नाथ ५, सुरेन्द्र-नाथ ६।

शिवकुमार के पुत्र १, विजयशंकर १।

श्यामसुन्दर के पुत्र १, हरिकाननाथ १।

मदनमोहन के पुत्र ४, दुर्गाप्रसाद १, हरिग्राम २, गोपाल ३, गोविन्द ४।

रामलाल के पुत्र २, प्राणनारायण १, नंदकिशोर २।

प्राणनारायण के पुत्र ४, लक्ष्मीकान्त १, उमाकांत २, श्रीकान्त ३, रुद्रकान्त ४।

नंदकिशोर के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

---

काशीप्रसाद के पुत्र १, गौरीशंकर १।

गौरीशंकर के पुत्र ३, सिद्धेश्वर १, मुरलीधर २, लक्ष्मीधर ३।

सिद्धेश्वर के पुत्र २, रघुनंदन १, शुकदेवप्रसाद २।

रघुनंदन के पुत्र १, रामजीवन १।

रामजीवन के पुत्र ३, कृष्णकुमार १, परमेश्वर २, गयाप्रसाद ३।

शुकदेवप्रसाद के पुत्र २, महेशप्रसाद १, गोविन्दनारायण २।

मुरलीधर के वंश नहीं चला।

लक्ष्मीधर के पुत्र ३, श्रीगोपाल १, राधेलाल २, रामकुमार ३।

श्रीगोपाल के पुत्र २, कैलासनाथ १, रामनाथ २।

राधेलाल के पुत्र ३, प्रेमशंकर १, उमाशंकर २, रमाशंकर ३।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

रामकुमार के पुत्र २, राजेन्द्रप्रसाद १, राजकिशोर २।

सीताराम के पुत्र २, रामबकस १, कालिकाप्रसाद २।

चतुर्भुज

चतुर्भुज के पुत्र ४, सालिगराम १, रामरतन २, जिवरावनलाल ३, ईश्वरदीन ४।

सालिगराम के पुत्र २, वेणीदत्त १, जगन्नाथ २।

वेणीदत्त के पुत्र ३, सधोले १, विश्वनाथ २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

चन्द्रशेखर ३।

सधोले के पुत्र २, रामेश्वर २।

रामेश्वर के पुत्र ३, शिवमोहन १, रघुमोहन २, रामा मोहन ३।

विश्वनाथ के पुत्र ४, गौरिशंकर १, शिवशंकर २, भवानीशंकर ३, कालीरतन ४।

गौरिशंकर

यह ग्यान-सावेज प्रान्त-कानपुर से ग्यान कुकुरदेव (मंधना के पास) प्रान्त-कानपुर गये।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

उदयनाथ - संतोषमणि वंश वर्णन

शिवशंकर के पुत्र १, कैलासनारायण १।

भवानीशंकर के पुत्र ३, रमाशंकर १, उमाशंकर २, कृपाशंकर ३।

कालीतन के पुत्र ४, मन्नूलाल १, जयनारायण २, राजनारायण ३, विजयनारायण ४।

मन्नूलाल के पुत्र १, जगतनारायण १। प्रेमनारायण ३ हृदयनारायण

जयनारायण अवधी के पुत्र ३ (१) विनोद कुमार (२) प्रमोद कुमार (३) सुबोध कुमार

विजयनारायण के १ पुत्र सुनीलकुमार

राजनारायण के ४ पुत्र संवेदनारायण

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

जगन्नाथ के पुत्र १, वच्चनलाल १।

वच्चनलाल — सह

वच्चनलाल के पुत्र ३, श्यामसुन्दर १, गिरिजाशंकर २, गिरिजानंदन ३।

गिरिजाशंकर के पुत्र ३, रमेश १, दिनेश २, सुरेश ३।

गिरिजानंदन के पुत्र २, गणेश १, नरेश २,

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

बद्रीनाथ के पुत्र २, लालजू १, कन्हैयालाल २।

लालजू के पुत्र ३, रामेश्वर १, बद्रीप्रसाद २, रामगोपाल ३।

रामेश्वर के पुत्र १, शिवनारायण १।

शिवनारायण

यह स्थान-रघुनाथपुर-प्रान्त-कानपुर से स्थान-कांपिल (कपिलिया) प्रान्त-फतेहपुर गये और वहीं बस गये।

शिवनारायण के पुत्र ३, गुलजारीलाल १, छेदालाल २, रामशंकर ३।

गुलजारीलाल के पुत्र १, यमुनाप्रसाद १।

छेदालाल के पुत्र ३, गंगाप्रसाद १, शिवगोपाल २, श्रीपाल ३।

गंगाप्रसाद के पुत्र १, सुरेशकुमार १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

शिवगोपाल के पुत्र १, राजेशकुमार १।

रामशंकर के पुत्र १, चन्द्रकुमार १।

कन्हैयालाल के पुत्र ३, सालिगराम १, रघुवर २, लल्ला ३।

सालिगराम के पुत्र १, श्रीनारायण १।

श्रीनारायण के पुत्र १, बांकेलाल १।

बांकेलाल के वंश नहीं चला।

रघुवर के पुत्र ५, मिश्रीलाल १, माधौप्रसाद २, मंगाप्रसाद ३, काशीप्रसाद ४, मथुराप्रसाद ५।

मिश्रीलाल के वंश नहीं चला।

माधौप्रसाद के पुत्र ३, रज्जनलाल १, जुगुन २, गोपी ३

रज्जनलाल के वंश नहीं चला।

जुगुन के वंश नहीं चला।

गोपी के वंश नहीं चला।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

कार्शा प्रसाद के पुत्र १, लालताप्रसाद १।

लालताप्रसाद के वंश नहीं चला।

मथुराप्रसाद के पुत्र १, राधेलाल १।

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow

CC-0. In Public Domain. Digitized By Sarayu Foundation Trust and eGangotri

Bhuvan Vani Trust, Lucknow